PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 211 ● भिलाई, गुरुवार 26 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

क्विक न्यूज

कांग्रेस ने मोदी की इजरायल यात्रा की नैतिकता पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि गाज़ा की तबाही के लिए पूरी दुनिया इजरायल की आलोचना कर रही है और इस दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा को नैतिक नहीं कहा जा सकता है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी की इजरायल यात्रा पर सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पीड़ितों और निर्दोषों की पीड़ा पर भारत का नजरिया हमेशा संवेदनशील रहा है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि मोदी प्रधानमंत्री इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समक्ष भी अपने परंपरागत भारतीय दृष्टिकोण को रखेंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने अजित पवार के विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने पिछले महीने एक विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करते हुए औपचारिक रूप से गृह मंत्री अमित शाह से संपर्क किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा कि महायुति सरकार इस मामले में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इस दुखद घटना के संबंध में किसी भी सवाल का जवाब न छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि भाजपा और राकांपा के एक सहयोगी दल की ओर से सीबीआई जांच की मांग वाला पत्र प्राप्त हुआ था, जिस पर बाद में केंद्रीय गृह मंत्री के साथ चर्चा की गयी। इन चर्चाओं के बाद केंद्र सरकार से इस मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया गया है।

रेखा गुप्ता ने पूर्वोत्तर की लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार की निंदा की

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर की लड़कियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए कहा है कि दोषियों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई होगी। गुप्ता ने एक्स पर अपने वीडियो संदेश में कहा कि पूर्वोत्तर की हमारी बहनों के साथ हुई इस घटना की मैं कड़ी निंदा करती हूं और उनके साथ मजबूती से खड़ी हूं।

विधायकों ने उठाया नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री का मुद्दा

रायपुर। बजट सत्र के तीसरे दिन ध्यानाकर्षण में भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर और धरम लाल कौशिक ने नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन को असफल बताया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रशासन के फेल होने के आरोपों को नकारा।

अजय चंद्राकर ने कहा कि रायपुर समेत पूरे प्रदेश में नशे से जुड़े मामले सामने आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के आरक्षक ही नशा की बिक्री कर रहा है'। इसके कारण अपराध भी बढ़ रहा है, नशे की आगोश में है. इसे रोकने में प्रशासन विफल रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह आरोप सही नही है कि प्रशासन फेल है। विभाग संकल्पित है और लगातार कार्रवाई की जा रही है। जो भी बदमाश या अपराधी ऐसी कृत्य कर रहे है, उनपर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। टिकरापारा में आरक्षक पर कार्रवाई हुई, अभी प्रक्रियाधीन है। अजय चंद्राकर ने कहा कि जब विपक्ष में था, तब भी सवाल उठाता था आज स्थिति उससे भी भयावह है। विजय शर्मा ने कहा कि यह विषय बहुत गंभीर है, सभी पर कार्रवाई होंगी। स्ट्रैटजी बदली गई है, अब एंड टू एंड कार्रवाई हो रही है। विधायक सुशांत शुक्ला ने अवैध शराब को लेकर जानकारी मांगी। इस पर मंत्री ने कहा कि कई मामलों पर पुलिस सीधे कार्रवाई नहीं कर सकती है. पूरी कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी है। बैठक की जा रही है, मेडिकल दुकानों को भी हिदायत दी गई है। जिसके बाद उस पर भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

16 मार्च को मतदान, शाम 5 बजे के बाद परिणाम नाम निर्देश दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च तक

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की कुल 05 सीटों में से 02 सीटें आगामी 09 अप्रैल 2026 को रिक्त होने जा रही हैं। राज्यसभा सदस्य कवि तेजपाल सिंह तुलसी एवं फूलो देवी नेताम का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण इन पदों पर निर्वाचन कराया जाएगा। रिक्त होने वाली इन सीटों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेस नोट जारी कर राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 05 मार्च निर्धारित की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 06 मार्च को की जाएगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 09 मार्च तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 16 मार्च सोमवार को प्रातः 09 बजे से सायं 04 बजे तक होगा।

विधायक भावना बोहरा ने जल, रोजगार, उद्योग और महिला श्रमिक हितों पर सरकार से मांगा जवाब

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन जनहित से जुड़े अहम मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए नल-जल योजना, ग्रीष्मकालीन जल आपूर्ति, स्थानीय रोजगार, उद्योग प्रोत्साहन तथा महिला श्रमिकों के अधिकारों पर सरकार से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विधायक ने राज्य में नल-जल योजना की प्रगति और गर्मी में पेयजल व्यवस्था पर प्रश्न किया। लिखित जवाब में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि पिछले 12 महीनों में राज्य के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों को योजना से जोड़ दिया गया है, हालांकि किसी भी जिले में योजना पूर्ण नहीं हुई है और लक्ष्य पूर्ति में राज्य 24वें स्थान पर है। ग्रीष्मकालीन तैयारी के तहत 15 मार्च से 15 अप्रैल तक विशेष हैंडपंप संधारण अभियान चलाया जाएगा, जिसमें हैंडपंप सुधार, राइजर पाइप बढ़ाने, जल गुणवत्ता परीक्षण और क्लोरीनेशन कार्य शामिल रहेगा। नगरीय निकायों में टंकियों की सफाई, पाइपलाइन मरम्मत और मोटर-पंप सुधार भी किया जाएगा। पेयजल संकट निवारण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 18.03 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने जानकारी दी कि जनवरी 2026 तक कबीरधाम जिले में 102 लघु और 1 मध्यम उद्योग पंजीकृत हैं, जबकि कोई बड़ा उद्योग पंजीकृत नहीं है। उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू है, जिसके तहत वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। महिला श्रमिकों से जुड़ी शिकायतों पर मंत्री ने बताया कि 2024-25 के दौरान 289 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 250 का निराकरण किया जा चुका है। मातृत्व अवकाश और अन्य अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की गई है। इन्वेस्टर कनेक्ट के संबंध में मंत्री ने बताया कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2026 तक 5,51,524.87 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव निष्पादित हुए हैं। इनमें 12 इकाइयों को भूमि आबंटन हुआ और 8 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। स्थानीय युवाओं को 70 रोजगार देने के नियम के पालन हेतु पिछले तीन महीनों में 167 निरीक्षण किए गए, जिनमें किसी प्रकार का उल्लंघन नहीं पाया गया। राजधानी रायपुर में रोड डिवाइडर पर लगे सभी विज्ञापन पोल नगर निगम के स्वामित्व में हैं, जिनसे 9 फरवरी तक 19.90 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। इन पोल का किराया निविदा प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित दरों पर लिया जा रहा है। समग्र रूप से, विधायक भावना बोहरा द्वारा विधानसभा में उठाए गए प्रश्नों से पेयजल, उद्योग, रोजगार और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार की योजनाओं और प्रगति की स्पष्ट जानकारी सामने आई, जिससे जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल और जवाबदेही मजबूत होती दिख रही है।

विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश

व्यापार व उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है।

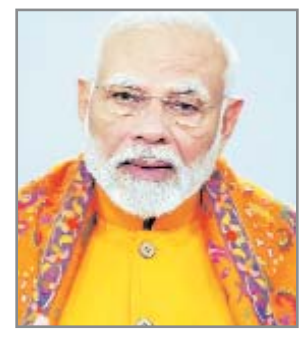

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सली सक्रिय थे, लेकिन विगत दो वर्षों में हमारे जवानों ने जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है, उसमें कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इससे राज्य अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है।

द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत

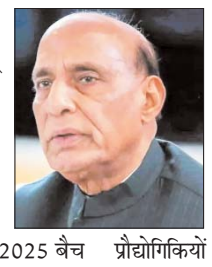

इजरायल के साथ संबंध और मजबूत होंगे, साझा विजन से भविष्य खुशहाल होगा : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी इजरायल यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे तथा साझा विजन से दोनों देशों का भविष्य खुशहाल होगा।

मोदी ने बुधवार को इजरायल की दो दिन की यात्रा पर रवाना होने से पहले एक वक्तव्य में कहा कि वह अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इजरायल के राष्ट्रपति से भी मिलेंगे, इजरायल की संसद को संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भी संवाद करेंगे। मोदी ने कहा कि भारत और इज़रायल के बीच एक मज़बूत और कई तरह की रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें हाल के सालों में ज़बरदस्त बढ़ोतरी और तेज़ी देखी गई है। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी बातचीत का इंतज़ार कर रहा हूँ, जिसका मकसद विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृषि , जल प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा, व्यापार तथा निवेश के साथ ही लोगों के बीच संबंधों सहित अलग-अलग क्षेत्रों में हमारे सहयोग को और मज़बूत करना है। हम आपसी फ़ायदे क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार शेयर करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस दौरान इजरायल के राष्ट्रपति आइज़ैक हर्ज़ोग से भी मिलेंगे।

सरकार स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता बढाने के लिए प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार घरेलू खपत और निर्यात को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता बढ़ाने को प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने में भारतीय राजनयिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारतीय विदेश सेवा 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बुधवार को यहां साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी रक्षा उद्योग की क्षमता को घरेलू उत्पादन और निर्यात दोनों के लिए बढाने के सरकार के संकल्प को दोहराया तथा इसे पूरा करने में भारतीय राजनयिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। रक्षा क्षेत्र में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के समावेशन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत बड़े रक्षा आयातक से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में रक्षा प्लेटफॉर्म का निर्माता और निर्यातक बन चुका है।

शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिये तकनीक के उपयोग की दिशा में एआई एक परिवर्तनकारी कदम : प्रधान

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने देश में शिक्षा परिवर्तन के लिए एक स्पष्ट दिशा दी है और सरकार का ध्यान हर कदम पर शिक्षकों को सहयोग देने पर केंद्रित है। शिक्षकों को मौजूदा समय में गुणवत्तापूर्ण संसाधनों की आवश्यकता है जो प्रत्येक कक्षा स्तर पर प्रत्येक विद्यार्थी की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। प्रधान ने भारती एयरटेल फाउंडेशन और वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था, सीके-12 फाउंडेशन, के एक साझेदारी कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज एआई अब विलासिता नहीं रहा, यह एक आवश्यकता है। यह पहल हमारे शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए तकनीक के उपयोग की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। वर्ष 2024 में 'द टीचर ऐप 'के लॉन्च का हिस्सा रहने के बाद अब इसका यह अगला चरण देखना प्रेरणादायक है।

उच्चतम न्यायालय ने फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के खिलाफ याचिका खारिज की

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि फिल्म का नाम यादव समुदाय की नकारात्मक छवि पेश नहीं करता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना एवं उज्जल भुयान की पीठ ने कहा कि फिल्म के नाम में कोई ऐसा विशेषण या शब्द नहीं था जिससे समुदाय की छवि धूमिल हो। यह याचिका अधिवक्ता आफ़ताब अली ख़ान के ज़रिए दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि फिल्म का नाम एक जाति या समुदाय के खिलाफ अपमानजनक एवं प्रत्यक्ष धारणा बनाता है।

याचिका में दलील दी गयी कि फिल्म का नाम यादव समुदाय को 'लव स्टोरी' से जोड़ता है, जिसका संबंध अनैतिकता दिखाने वाले अवैध एवं अनुचित रिश्ते से है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि फिल्म का नाम किसी भी तरह से यादव समुदाय को खराब छवि में प्रदर्शित नहीं करता है।

22 लाख का था ईनाम

दो माओवादी ओडिशा में मुठभेड़ में ढेर, हथियार, बीजीएल और विस्फोटक बरामद

ओडिशा/बस्तर। सुरक्षा बलों ने ओडिशा के कंधमाल जिले में एक संयुक्त अभियान के दौरान दो माओवादियों जग्येश और रत्ना को मार गिराया है। मारे गये ईनामी दोनों माओवादी छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिले के रहवासी थे। पुलिस ने माओवादियों के विरुद्ध यह अभियान 22 फरवरी को शुरू किया था। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मिली सफलता की जानकारी दी। मुठभेड़ के बाद मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (नक्सल-विरोधी अभियान) संजीब पांडा ने बताया कि यह अभियान संयुक्त रूप से चलाया गया था। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद जब सुरक्षा बलों ने इलाके की तलाशी ली, तो दो माओवादियों के शव बरामद हुए। मृतकों की पहचान जग्येश और रत्ना के रूप में हुई है। नक्सल-विरोधी अभियान के अधिकारी के अनुसार, मृतक जग्येश छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले का निवासी था और माओवादी पलटन में डिप्टी पलटन कमांडर के पद पर था। उसके सिर पर 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वहीं, दूसरा माओवादी रत्ना राज्य के बीजापुर जिले का रहने वाला था और पार्टी का सदस्य था। उस पर 1.65 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों माओवादी 11 से अधिक माओवादी घटनाओं में शामिल रहे थे। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षा बलों ने एक एके-47 राइफल, छह यूबीजीएल ग्रेनेड, एक एसएलआर राइफल के अलावा भारी मात्रा में दवाइयां और गोला-बारूद बरामद किया है। यह अभियान क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा था। बरामद हथियारों से माओवादियों की ताकत और उनके इरादों का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह घटना कंधमाल जिले के जंगलों में हुई, जहां माओवादी संगठन की उपस्थिति पिछले कुछ समय से बनी हुई थी। सुरक्षा बलों को इस क्षेत्र में माओवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद यह संयुक्त अभियान शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों माओवादी मारे गए। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और आसपास के जंगलों में अन्य माओवादियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा बलों ने इस क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है।

दो माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर। कांकेर जिले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत भारतीय मार्क्सवादी पार्टी (माओवादी) की उत्तर बस्तर डिवीजन समिति के डीवीसीएम (डिवीजनल समिति सदस्य) मल्लेश और पार्टी सदस्य रानू पोडियाम ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। दोनों माओवादी कैडरों ने कांकेर पुलिस और बीएसएफ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बुधवार को बताया कि इन माओवादियों ने हाल ही में सुरक्षा बलों से संपर्क कर आत्मसमर्पण और पुनर्वास की इच्छा जताई थी। अधिकारियों के अनुसार, मल्लेश और रानू पोडियाम ने यह कदम सरकार की पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उठाया है। उनके आत्मसमर्पण से इलाके में माओवादी गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों माओवादियों ने अधिकारियों को जानकारी दी है कि वे अभी भी क्षेत्र में सक्रिय अन्य माओवादी कैडरों से संपर्क कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल, दोनों के औपचारिक पुनर्वास और हथियारों की सुपुर्दगी की प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है। इनकी औपचारिक तौर पर आत्मसमर्पण की कार्रवाई जल्द ही की जाएगी। इस बीच, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पट्टलिंगम ने एक बार फिर बाकी माओवादियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी।

नबीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के लगाये आरोप

पटना। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए उनके खिलाफ राष्ट्रीय हितों से समझौता करने के आरोप लगाये। नवीन ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि देश के इतिहास और वर्तमान राजनीति में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं। दूसरी ओर नवीन ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि भाजपा राष्ट्र प्रथम, पार्टी उसके बाद स्वयं को सबसे अंत में रखने के सिद्धांत पर आधारित है, जहां सिर्फ राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

जबकि कांग्रेस की राजनीति स्वयं को सबसे आगे, उसके बाद पार्टी और सबसे अंत में देश की सोच से संचालित रही है, जहां हमेशा से ही राष्ट्रहित से समझौता करते हुए व्यक्तिगत स्वार्थ को सर्वोपरि माना जाता रहा है। नवीन ने पटना में कहा कि नेहरू-गांधी परिवार ने कई बार अपने हितों को देशहित से ऊपर रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 1954 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तिब्बत में भारत के अधिकार चीन को सौंप दिए थे। नवीन ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के चुनाव अभियान को लेकर अतीत में विदेशी फंडिंग की बातें सामने आई थीं और उस दौर में भी राष्ट्रीय हित प्रभावित हुए।

योगी के जापान दौरे के पहले दिन करीब 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश को लेकर हुआ एमओयू

टोक्यो/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश सरकार ने जापानी और सहयोगी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों से राज्य में औद्योगिक विकास, विनिर्माण क्षमता और रोजगार सृजन को नई गति मिलने की उम्मीद है। जिन प्रमुख कंपनियों के साथ करार हुआ है, उनमें कुबोता कॉरपोरेशन, मिंडा कॉरपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री (जेएई), नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओ एंड ओ ग्रुप, फूजी जापानीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। ये समझौते कृषि मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, जल एवं पर्यावरण समाधान, औद्योगिक प्रिंटिंग, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। कुबोता कॉरपोरेशन, जो कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान रखती है, उत्तर प्रदेश में विनिर्माण और कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में निवेश करेगी। वहीं मिंडा कॉरपोरेशन और जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के साथ सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिलेगी।

बजट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले को मिली बड़ी सौगाते

बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनेक प्रावधान, कुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में होगा उन्नयन तथा भवन निर्माण

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट में कबीरधाम जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सौगाते मिली है। बजट में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा संसाधनों के विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण और आधुनिक परिवहन सुविधाओं के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं, जिससे जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। बजट प्रावधानों के तहत कुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जाएगा तथा मेडिकल कॉलेज कबीरधाम के संचालन के लिए आवश्यक सेटअप उपलब्ध कराया जाएगा। इससे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी और गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कवर्धा-खमरिया मार्ग के उन्नयन एवं चौड़ीकरण के लिए 23 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लोरमी-पंडरिया रोड से सिंघनपुरी तथा रवेली रोड से जरती तक सड़क निर्माण कार्य भी शामिल किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। शिक्षा के क्षेत्र में पंडरिया में नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही नालंदा लाइब्रेरी में करियर काउंसलिंग केंद्र भी स्थापित होगा। इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, मार्गदर्शन और अध्ययन संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। पेयजल आपूर्ति के लिए भी बड़े स्तर पर प्रावधान किए गए हैं। सुतियापाठ जलाशय से ठाठापुर तक 54 गांवों में तथा भीरा रपानी जलाशय से 66 गांवों में पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला मुख्यालय में सियान गुड़ी को डे-केयर सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ उन्हें स्वास्थ्य सुविधा, देखभाल और सामाजिक सहभागिता का अवसर मिलेगा। ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाने के लिए कवर्धा में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) स्थापित किया जाएगा। इससे ड्राइविंग टेस्ट अधिक पारदर्शी, तेज और मानकीकृत तरीके से हो सकेगा। कबीरधाम जिले के नागरिकों ने इन योजनाओं का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के इस पहल से जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी और लोगों की जीवनशैली में बदलाव आएगा। उनका कहना है कि यह बजट जनता के हित में उठाया गया मजबूत कदम है, जिससे आने वाले समय में जिले की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बेहतर होगी। बजट में किए गए काम हर वर्ग के लोगों को फायदा पहुंचाने वाले हैं और इससे आम नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बजट में पूरे प्रदेश के साथ-साथ कबीरधाम जिले के लिए भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। इससे जिले के विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने आम लोगों की जरूरतों और जिले के विकास को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री से कई कार्यों की मंजूरी देने का अनुरोध किया था, जिन्हें अब इस बजट में शामिल कर लिया गया है।

चरित्र पर संदेह, पति ने दोस्त के साथ मिलकर कर दी हत्या, पूर्व आर्मी मैन भी अरेस्ट

साक्ष्य छिपाने में तीसरे आरोपी ने की मदद, उस पर भी कार्रवाई

मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का, दो दिन पहले मिला था शव

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ इलाके में महिला के शव मिलने के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। जांच के दौरान पुलिस ने महिला की पहचान की और उसके बाद पति सहित तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। पति ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था, जिसके चलते ही उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया1 वहीं साक्ष्य छिपाने के लिए एक और साथी की मदद ली। इस पर पुलिस ने मामला कायम कर तीनों पर ही कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया है। ज्ञात हो कि 22 फरवरी को पुलिस को खबर मिली कि ग्राम भैंसरा आब बगीचा के पास महिला का शव है, इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। काफी छानबीन के बाद पता चला कि मृतका पूर्णिमा नेता ग्राम चौथना डोंगरगढ़ की रहने वाली है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कि तो सामने आया कि मृतका का पति सुनील कुमार फरार है और उसका मोबाइल भी बंद है। इस पर उसकी पतासाजी शुरू की गई, उसे डोंगरगढ़ से ही गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पूछताछ में उसने बताया कि वह पूर्णिमा के चरित्र पर शक करता था। इस लिए वह 21 फरवरी को अपने साथी ज्योतिष नेता के साथ अपनी पत्नी को लेकर बाइक से भैंसरा की ओर गया। जहां रास्ते में आरोपी ने शराब दुकान से शराब लेकर पी। इसके बाद तीनों भैंसरा आम बगीचा आ गए। मौका पाकर दोनों ही आरोपियों ने पूर्णिमा के सिर पर पत्थर पटक दिया। इसमें उसकी मौत हो गई। इसके बाद वे दोनों शव को वहीं छोड़कर अपने रिश्तेदार के घर गए और रात गुजारी। दूसरे दिन सुबह शव की जानकारी सभी को मिली और पुलिस ने जांच शुरू की।

पूर्व आर्मी मैन भी आरोपियों में शामिल

एएसपी कीर्तन राठौर ने बताया कि जांच के दौरान मृतका के पति और उसके साथ को अरेस्ट कर लिया गया। वहीं पूछताछ में यह सामने आया कि पूरी वारदात की जानकारी आरोपियों ने अपने एक और साथी नीलकंठ साहू को दी थी। नीलकंठ मामले में साक्ष्य छिपाने में सहयोग किया था, उसके आधार पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर कार्रवाई की। इस पूरी कार्रवाई में डीएसपी अलेक्जेंडर किरो, सायबर टीम प्रभारी चंद्रेश परमार, डोंगरगढ प्रभारी वह अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

नेत्रहीन नेहा भी बनेगी अफसर, पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हुई नेत्रहीन नेहा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 आयोजित की गई। दुर्ग/भिलाई के विभिन्न 25 परीक्षा केंद्रों में प्रतिभागी परीक्षार्थी सम्मिलित हुये। इन्हीं में से एक नेहा यमराज भी है जो नेत्रहीन होने के बावजूद अपने बुलंद हौसले के साथ परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0505 सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग पीएससी प्रारंभिक परीक्षा देने पहुंची थी। अपनी मेहनत से अधिकारी बनने की ख्वाइस रखने वाली नेहा के लिए जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्र में पृथक कक्ष व लेखन कार्य हेतु सहयोगी की व्यवस्था की गई है। उक्त कार्य में काजल बंजारे जो 11वीं की छात्रा है, नेहा को सहयोग करेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने नेहा को शुभकामनाएं दी।

वार्ड 44 में महापौर का निरीक्षण, पानी की समस्या का समाधान, पार्षद व महिलाओं ने महापौर का जताया आभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44 में महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के रहवासियों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी वार्ड में बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

40 वर्षों से पानी की समस्या से जूझ रहे थे नागरिक-निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने महापौर को बताया कि वे पिछले लगभग 40 वर्षों से पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे थे। नियमित एवं पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से कठिनाई उठानी पड़ती थी। महापौर ने लिया संज्ञान, समस्या का कराया स्थायी समाधान वार्डवासियों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु कार्य प्रारंभ कराया। निगम प्रशासन की पहल से वार्ड 44 में पेयजल व्यवस्था को सुचारू किया गया, जिससे लंबे समय से चली आ रही समस्या का निराकरण संभव हो सका। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है।

पार्षद एवं महिलाओं ने जताया आभार-पानी की समस्या के समाधान के बाद वार्ड क्रमांक 44 की पार्षद सहित क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों ने महापौर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने से वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पाँच वर्ष बाद भी न्याय अधूरा, डूबान की पीड़ा अब विधानसभा के दरवाज़े पर

धमतरी। गंगरेल बाँध के डूबान प्रभावित परिवारों का धैर्य अब अपनी अंतिम सीमा पर पहुँच चुका है जिन लोगों ने विकास के नाम पर अपनी ज़मीन, घर और आजीविका छोड़ी, वे आज भी अपने ही अधिकार के लिए दर.दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि पात्र प्रभावितों को समानता के आधार पर भूमि आवंटन सुनिश्चित किया जाए किंतु आदेश पारित हुए पाँच वर्ष बीत जाने के बाद भी यदि ज़मीन पर न्याय दिखाई नहीं देता, तो यह केवल प्रशासनिक विलंब नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का प्रतीक बन जाता है। 23 फरवरी 2026 से गांधी मैदान, धमतरी में जारी अनिश्चितकालीन धरना अब एक औपचारिक विरोध नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई का स्वर है। जिन परिवारों को आरक्षित भूमि पर बसाया जाना था, वे आज भी भूमिहीन हैं। सवाल सीधा है, जब भूमि उपलब्ध है और आदेश स्पष्ट है, तो फिर पुनर्वास क्यों लंबित है। इसी पीड़ा और प्रश्न को लेकर डूबान प्रभावितों ने लोकतांत्रिक मार्ग चुनते हुए धमतरी से नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा तक पैदल मार्च का निर्णय लिया है। 25 फरवरी को प्रारंभ होकर 27 फरवरी को विधानसभा घेराव तक पहुँचने वाला यह मार्च केवल कदमों की यात्रा नहीं, बल्कि वर्षों के इंतज़ार, संघर्ष और न्याय की पुकार की यात्रा है। यह आंदोलन अहिंसात्मक होगा, अनुशासित होगा, संवैधानिक होगा परंतु मौन नहीं होगा। लोकतंत्र में यदि न्यायालय के आदेश भी प्रभावी न हों, तो जनता का सड़क पर उतरना व्यवस्था के लिए चेतावनी है। डूबान संघर्ष समिति ने प्रशासन से अनुमति की मांग की है और स्पष्ट किया है कि मांगों के समाधान तक गांधी मैदान धमतरी में अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। अब निर्णय शासन के हाथ में है, क्या न्याय फाइलों में बंद रहेगा या ज़मीन पर उतरकर प्रभावित परिवारों को उनका अधिकार दिलाएगा। उक्त जानकारी हरिशंकर मरकाम कार्यकारी अध्यक्ष डूबान संघर्ष समिति द्वारा दी गई।

देवपुर में नेचर कैंपिंग का शुभारंभ,इको पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बलौदाबाजार। वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत वन परिक्षेत्र देवपुर स्थित इको पर्यटन नेचर कैंप मड हाउस का सोमवार को औपचारिक लोकार्पण किया गया। यह नेचर कैंप प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित किया गया है जिसमें स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक निर्माण शैली का समावेश किया गया है। मड हाउस की स्थापना का उद्देश्य प्रकृति के निकट पर्यटन अनुभव प्रदान करना, पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना तथा स्थानीय समुदाय को आय के स्थायी अवसर उपलब्ध कराना है। इस पहल के माध्यम से देवपुर क्षेत्र में ईको-पर्यटन गतिविधियों को सशक्त करने, ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।इस पहल से स्थानीय समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ इको-पर्यटन गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। इसी क्रम में बारनवापारा अभ्यारण्य के पर्यटन ग्राम में नव निर्मित रिसेप्शन भवन का भी शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी एवं जैव विविधता) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक अरुण कुमार पांडे की उपस्थिति में किया गया। यह नया रिसेप्शन परिसर बारनवापारा की विशिष्ट पहचान, समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करने की दृष्टि से विकसित किया गया है। परिसर में स्थानीय वनस्पतियों, वन्यजीवों एवं पर्यटन संभावनाओं को समाहित करते हुए एक आकर्षक एवं उपयोगी स्वागत केंद्र का निर्माण किया गया है, जिससे आगंतुकों को अभ्यारण्य की पारिस्थितिक विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त हो सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक'अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इको-पर्यटन आधारित ऐसे प्रयास न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर, महिला स्व सहायता समूह देवपुर, नेचर कैंप इको-पर्यटन संचालन समिति के सदस्य, वन प्रबंधन समिति देवपुर के अध्यक्ष एवं सदस्य, बारनवापारा अभ्यारण्य के अधिकारीगण, परिक्षेत्र अधिकारी देवपुर सहित समस्त अधीनस्थ अधिकारी एवं वनकर्मी उपस्थित रहे।

जुआ फड़ सजवाने वाले बड़े माफिया को आखिर किसका संरक्षण..?

पुलिस की कार्यवाही मात्र खानापूर्ति बनकर रही, नागरिक उठा रहे सवाल

धमतरी। जिले में पिछले लंबे समय से सट्टा, जुआ, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी जैसे गैर कानूनी काम की लगातार घटनाओं से जागरूक नागरिकों में चिंता की लहर है। इस मामले को लेकर इन्होंने पुलिस महानिरीक्षक के नगर आगमन पर दिये गये उस बयान को जिसमें कहा गया था कि उपरोक्त घटनाओं पर अंकुश लगाया जाये, असफल होने पर अधिकारियों के ऊपर स्थानांतरण जैसी कार्यवाही की जा सकती है। उनके बयान के आधार पर जिला पुलिस में अवैध कृत्य को करने वाले लोगों पर नकेल कसी गई। अनेक ऐसे जुआ, सट्टा, शराब के प्रकरण बनाये गये। लेकिन इसे संचालित करने वाले लोगों का नाम अब तक पुलिस पकड़ से बाहर है। खबर तो यह भी है कि ग्रामीण क्षेत्र के थानों, चौकियों के ईर्दगिर्द बकायदा अनुमति देकर जुआ फड़ चलाया जा रहा है। इसकी जानकारी संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी को भी है। लेकिन उनके द्वारा सांठगांठ होने की वजह से ऐसा कृत्य करने वाले अब तक बचे हुए हैं। चर्चा तो यह भी है कि राजिम क्षेत्र का रहने वाला नामी गिरामी शख्स जिसकी जिले में तूती बोल रही है, उसके संरक्षण में अनेक स्थानों पर जुआ फड़ संचालित हो रहा है। उक्त जुआ फड़ में भाग लेने वाले लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है और उनसे इस एवज में लाखों रूपये का नाल वसूला जा रहा है। जुआ फड़ सजाने वाले बड़े माफियाओं को आखिर किसका संरक्षण है, यह बात क्षेत्र की जनता लगातार विभाग के अधिकारियों से पूछ रही है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी से बकायदा अनुमति लेकर उक्त फड़ सजाया जा रहा है जिसमें जिले के ही नहीं अन्य शहर के लोग भी अपना भाग्य आजमाने धमतरी जिला पहुंचते हैं। समय रहते अगर इस पर नकेल नहीं कसी गई तो अनहोनी घटना घटने से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस विभाग द्वारा पूर्व वर्षों में जिले के जिम्मेदार नागरिकों को बुलाकर जिले के हालात पर और उनके क्षेत्रों में होने वाले अपराधिक गतिविधियों की जानकारी ली जाती रही है। लेकिन नये सिस्टम के तहत ऐसे लोगों को कोई तवज्जो नहीं दिया जा रहा है जिससे न सिर्फ शहर बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जुआ, सट्टा, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी करने वालों के हौसले बुलंद हैं। इसका एक कारण यह भी है कि पुलिस विभाग में ही कुछ ऐसा चल रहा है जिसके चलते उनमें भी अपने एक वरिष्ठ अधिकारी की ज्यादती बताई जाती है। इसीलिये ऐसे कर्मी जो जिले के हर क्षेत्र में होने वाले अपराध की सूचना देते थे, उन्होंने अपने मुंह पर ताला लगा लिया है। यही हाल जागरूक नागरिकों का भी है जिनको पूर्व अधिकारियों ने विचार विमर्श हेतु समय समय पर बुलाये जाने की प्रक्रिया लागू की थी। लेकिन अब यह पूरी तरह बंद है। इस कारण भी पुलिस विभाग के अधिकारी धड़ाधड़ हो रहे अपराध चाकूबाजी, सट्टा, जुआ, अड्डेबाजी जैसे अवैध कृत्य को नहीं रोक पा रहे हैं। शाम होते ही शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा कोई इलाका नहीं जहां अनेक युवक नशाखोरी करते दिखाई देते हैं जिनके द्वारा सड़कों को जाम कर गुजरने वाली महिलाओं से छेड़छाड़ करते हैं। साधन संपन्न घर की महिलाएं एवं उनके परिवार द्वारा हालांकि इस घटना की रिपोर्ट नहीं की जाती। ऐसे लोगों को भय है कि अपराध पर पुलिस विभाग अंकुश नहीं लगा सका है।

हम रिपोर्ट करेंगे तो उल्टा हमें ही ऐसे अड्डेबाजी करने वालों का शिकार होना पड़ेगा। पिछले दिनों से कुछ अवैध शराब विक्रेताओं, सट्टेबाजी करने वालों, जुआ खिलाने वालों को दिखावे के लिये पकड़कर उन पर कार्यवाही की गई थी। इसके बाद अपराधों की संख्याओं में लगातार वृद्धि हो रही है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शाम होते ही नशाखोरी करने वालों की तूती बोलती है। पुलिस की कॉम्बिंग गश्त इनके समक्ष कोई मायने नहीं रखती। झुंड में बैठे अजीबो-गरीब ढंग का बाल कटाये ऐसे लोगों को देखने से ही आम नागरिकों को भय लगता है। पूर्व वर्षों में पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने मिशन हिप्पी चलाया था जिनमें ऐसे युवकों को लंबे-लंबे बाल रखने से मनाही की गई।

जब ये नहीं माने तो इनको पकड़-पकड़कर उनके बाल कटवाये गये। लेकिन आज उल्टा चल रहा है। जितने भी आरोपी अपराध में संलिप्त पाये गये हैं उनमें अधिकांश युवकों के द्वारा अजीबो-गरीब ढंग का बाल रखा पाया गया। ऐसे ही लोग पुलिस के समक्ष चुनौती बने हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह हैकि जिला पुलिस बल में अशांति का माहौल निर्मित है जिसका कारण यहां पदस्थ एक अधिकारी को ठहराया जा रहा है। इनके द्वारा पूर्व में भी अपनी मनमानी करते हुए थाना प्रभारी, निरीक्षक के स्थान पर हवलदार और एएसआई की नियुक्ति को लेकर भी सवाल खड़े किये गये। हालांकि पॉयनियर ने मिली खबर के मुताबिक समाचार प्रकाशन किया जिसका असर यह रहा कि उक्त थाना चौकियों में जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई। जिले में जिस स्तर पर उपरोक्त अपराध बढ़-चढ़कर सामने आ रहे हैं, उसका मुख्य कारण ऐसे ही युवकों की टोलियां हैं जो शराब, जुआ, सट्टा, चाकूबाजी, अड्डेबाजी, सूखा नशा का सेवन कर अपने जेब में रखे चाकू से विवाद होने पर सामने वाले के ऊपर वार कर देते हैं जिसका उदाहरण पिछले दिनों चौथिया में आये एक परिवार से दिया जा सकता है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। विश्व कप टी-20 क्रिकेट मैच में सट्टा खेलने और खिलाने वालों की तादाद मैच के प्रारंभ होने से लेकर अब तक बनी हुई है। इस मामले में मैच जब अंतिम चरण में पहुंच चुका है, एक व्यक्ति को वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे मैच का सट्टेबाजी खिलाते पुलिस द्वारा पकड़ा गया है। लेकिन इसके पहले भी लंबे-लंबे दांव लगाये गये और खेलने, खिलाने वालों की पहुंच के चलते पुलिस ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं कर सकी। जो आरोपी जिम्बाब्वे मैच के दौरान सट्टा खिलाते पकड़ा गया है, उसे पकड़कर ही मामले की इतिश्री कर ली गई जबकि उससे पूछताछ करने पर अनेक ऐसे लोगों के चेहरे सामने आते जो मैच में लाखों रूपये का जुआ लगाते आ रहे हैं किंतु पुलिस ने उससे पूछताछ न कर उसे विधिवत कार्यवाही कर दिया। अभी भी शहर में जुआ, सट्टा, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी का जिले में बोलबाला है। सभ्य घराने के लोग शाम होते ही बहुत कम बाहर सफर करने का इरादा कर पाते हैं वहीं पुलिस की उपस्थिति दर्शाने के लिये एक चालक आरक्षक खाली वाहन में सायरन बजाते हुए पुलिस की उपस्थिति का संदेश देता है जो शहर में ही भ्रमण करता है। नियमतः वरिष्ठ अधिकारियों को समूचे गली एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी वाहनों को स्टाफ के लोगों के साथ भेजना चाहिये। जो ऐसे अपराधों में लिप्त हों, उन पर फौरी कार्यवाही होने से ऐसे अपराधों पर अंकुश लग सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कैप्सूल वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

रायपुर। छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बाइक सवार दादा-पोते को पीछे से आ रहे कैप्सूल वाहन ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में पोता कैप्सूल वाहन के पिछले चक्के के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दादा के हाथ, पैर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना शिवरीनारायण के शबरी पुल के पास स्थित पुराने तहसील कार्यालय के सामने हुई। जानकारी के अनुसार डोंगाकोहरौद निवासी मोहनलाल दिनकर 60 वर्ष पिता दादूराम दिनकर अपने पोते विवेक दिनकर 12 वर्ष पिता जीवनलाल दिनकर को लेकर अपने हीरो फैशन प्रो बाइक क्रमांक सीजी 11 एएक्स 3548 से डोंगाकोहरौद से परसाडीह छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वे शिवरीनारायण के शबरी पुल के पास स्थित पुराना तहसील आफिस के सामने पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे कैप्सूल वाहन क्रमांक सीजी 22 एक्स 1164 के ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनके बाइक को पीछे से ठोकर मार दी। ठोकर लगने से मोहनलाल बाइक सहित थोड़ी दूर जा गिरे वहीं उनका पोता विवेक कैप्सूल वाहन के नीचे जा गिरा, जिससे पीछे चक्के में दबकर उसका सर पूरी तरह चकनाचूर हो गया। मौके पर ही मासूम विवेक की दर्दनाक मौत हो गई।

होटल व्यवसायी का लाखों रुपए हड़पकर कर्मचारी फरार

रायपुर। तारबाहर क्षेत्र में रहने वाली होटल व्यवसायी के साथ 2 लाख का फ्राड हो गया है। उनके साथ यह फ्रॉड उनके ही एक पुराने कर्मचारी ने किया है। कर्मचारी ने शेयर मार्केट से डबल मुनाफे का झांसा दिया है और पैसे हड़पकर फरार हो गया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। तारबाहर क्षेत्र में रहने वाली होटल व्यवसायी महिला अंजना फ्रांसिस ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि, गोविंद कुमार जो रायपुर के फाफडीह का निवासी था। वह पिछले कुछ महीनों से उनके होटल में काम करते हुए वहीं रह भी रहा था। इस दौरान उसने अपने काम से विश्वास जीतने का प्रयास किया और महिला से शेयर मार्केट में पैसा लगाने का प्रस्ताव दिया, जिसमें वह उसे डबल मुनाफा देने का वादा करता था। अंजना ने बताया कि गोविंद कुमार ने उन्हें धोखाधड़ी करके 17 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक चार किस्तों में कुल 2 लाख रुपये नगद ले लिए थे। इसके बाद, गोविंद अचानक 10 सितंबर 2025 को रात 3 बजे अपना सामान लेकर घर से फरार हो गया। जब अंजना ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने फोन नहीं उठाया और कॉल का जवाब नहीं दिया। पुलिस ने अंजना की शिकायत पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो दोपहिया वाहन आपस में भिड़ी, एक की मौत

रायपुर। जिले के पाटन थाना क्षेत्र में रविवार शाम तर्रा से जामगांव एम के बीच हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। आमने-सामने हुई तेज रफ्तार टक्कर से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। थाना प्रभारी राजेश मिश्रा के अनुसार, रविवार शाम करीब 6 बजे तर्रा बाजार से बाइक सवार युवक जामगांव एम की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही स्कूटी से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों दोपहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सवार सड़क पर दूर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद मौके पर भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में बोरसी निवासी 36 वर्षीय नवीन कुमार की सिर में गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। दुर्घटना में जामगांव एम निवासी 63 वर्षीय मुरलीधर दीवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की वजह प्रतीत हो रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और मामले में मर्ग कायम कर विस्तृत विवेचना की जा रही है।

स्कूल के सामने पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

रायपुर। जिले में सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब लोगों ने एक युवक का शव स्कूल के सामने फांसी के फंदे पर लटका देखा। यह मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के जामगांव हाई स्कूल के पास का है, जहां सुबह-सुबह शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान पिथौरा के गोपापुर निवासी दुलीचंद दीवान के रूप में की गई है।

केन्द्रीय पर्यवेक्षकों ने छत्तीसगढ़ में पशुधन योजनाओं का लिया फीडबैक

प्रदेश में पशुधन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन कि सराहना की

- दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले पहुंचकर योजनाओं का किया निरीक्षण, पशुपालकों से की चर्चा

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार द्वारा नियुक्त केन्द्रीय पर्यवेक्षकों का दल छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहा। इस दौरान वे पशुधन विकास विभाग के केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की छत्तीसगढ़ प्रगति की जानकारी ली केंद्रीय पर्यवेक्षकों को दल दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले का दौरा कर योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया और पशुपालकों से चर्चा की। केंद्रीय पर्यवेक्षकों के दल ने छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की सराहना की। केंद्रीय दल प्रवास के प्रथम चरण में संचालनालय स्तर पर आयोजित ब्रीफिंग सत्र में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारियों द्वारा योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके पश्चात दल ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रशिक्षण गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया। बालोद जिले के गुण्डरदेही एवं डौंडी विकासखंड में बिहान योजना से जुड़ी पशु सखियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित बकरी पालन इकाइयों, हैचरी यूनिटों तथा दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से संवाद किया गया। दुर्ग स्थित दुग्ध संघ संयंत्र में दुग्ध प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी इकाइयों में उपलब्ध दवाइयों व उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रवास के दौरान बालोद जिले में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेले में भी दल ने सहभागिता की। राष्ट्रीय गोकुल मिशन अंतर्गत टीम ने पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग का भ्रमण

किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मैत्री एवं एवीएफओ रिप्रेशर ट्रेनिंग संस्थान तथा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र स्थित ई.टी.टी.-आई.वी.एफ प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया। जिला बालोद के विकासखंड गुण्डरदेही एवं डौंडी में बिहान अंतर्गत कार्यरत 35 पशु सखियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। नेशनल लाइवस्टॉक मिशन अंतर्गत ग्राम भरदा (दुर्ग) में श्री देवनाथ देशमुख, नवागांव (बेमेतरा) में श्रीमती मनीषा राजपूत तथा बालोद जिले के ग्राम गब्दी एवं बरही में संचालित बकरी इकाइयों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। इसके अलावा बेमेतरा जिले के ग्राम खर्रा एवं सुरहोली स्थित स्काईलार्क हैचरी तथा बालोद जिले की एबीस हैचरी यूनिट का भी निरीक्षण किया गया। नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट अंतर्गत टीम ने उरला (दुर्ग) स्थित छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ प्लांट का भ्रमण कर दुग्ध प्रसंस्करण, पैकेजिंग, घी एवं मक्खन निर्माण इकाई का अवलोकन कर जानकारी ली। बालोद जिले के अर्जुंदा तथा बेमेतरा जिले के सरदा एवं मौली भाठा स्थित दुग्ध संकलन केंद्रों का निरीक्षण कर पशुपालकों से चर्चा की गई। इसी तरह लाइवस्टॉक हेल्थ एवं डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत बेमेतरा जिले में कोल्ड केबिनेट एवं शीत श्रृंखला उपकरणों का निरीक्षण किया। पशु चिकित्सालयों एवं मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट में उपलब्ध दवाईयों, टीकाकरण सामग्री एवं उपकरणों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। ग्राम बोहारडीह (बेमेतरा) के उन्नत पशुपालक श्री मानसिंह वर्मा के डेयरी फार्म का भी अवलोकन किया गया। दौरे के दौरान जिला बालोद के ग्राम भेंगारी में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला में केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की टीम शामिल हुई। टीम ने पशुपालकों से सीधे संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ एवं पशुपालन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

छत्तीसगढ़ की अमराई में आई बौरों की बहार.....

- 5 हजार 410 हेक्टेयर में लहलहाई आम की फसल
- रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद से उत्साहित किसान

रायपुर। संवाददाता

जशपुर जिले की अमराइयों में इन दिनों बौरों की खुशबू महक रही है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस वर्ष आम के पेड़ों पर मंजरियाँ अधिक सघन, स्वस्थ और भरपूर दिखाई दे रही हैं। दशहरी, लंगड़ा, चौसा और आम्रपाली जैसी प्रमुख प्रजातियों के वृक्ष सफेद-पीले फूलों से पूरी तरह आच्छादित हो चुके हैं, जिससे किसानों में रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद जगी है। जिले में वर्तमान में लगभग 5 हजार 410 हेक्टेयर क्षेत्र में आम की खेती की जा रही है। इस वर्ष अनुकूल मौसम और बेहतर मंजरियों के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना व्यक्त की जा रही है। सहायक संचालक उद्यान करण सोनकर ने बताया कि यदि किसान तकनीकी प्रबंधन के उपायों को समय पर अपनाएं, तो आम की उपज में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है, जिससे किसानों की आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। जशपुर का आम अपनी मिठास और गुणवत्ता के कारण प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी भेजा जाता है। सोनकर ने किसानों से अपील की है कि वे अपने बागानों का नियमित निरीक्षण करें और आवश्यकता पड़ने पर उद्यान विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करें, ताकि फसल को रोग एवं कीटों से सुरक्षित रखा जा सके। किसानों के लिए आवश्यक सलाह - उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को आम की बेहतर पैदावार हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। बौर आने की अवस्था में सिंचाई रोक देना चाहिए और तब तक पानी नहीं देना चाहिए, जब तक बौर पूरी तरह न खिल जाएं।

भारत अमेरिका समझौता किसानों के हितों पर कुठाराघात - संयुक्त किसान मोर्चा

रायपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक सदस्यों जनकलाल ठाकुर, तेजराम विद्रोही, गौतम बंदोपाध्याय, नरोत्तम शर्मा, रमाकांत बंजारे ने प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि भारत अमेरिका समझौता किसानों के हितों और आम जनता के हितों पर कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से किया जा रहा समझौता किसानों के हितों डेयरी उद्योग, कृषि तकनीकी पर आधारित उद्योग एवं अन्य बाजारों पर महंगाई को बढ़ाएगा जिससे भारतीय किसान बर्बाद हो जाएंगे। भारत सोयाबीन, ज्वार,मक्का, गेहूं फलों, डेयरी उत्पादों पर आयात शुल्क घटाता है तो भारतीय मंडियों पर अमेरिकी कंपनियों का कब्जा हो जाएगा।

महतारी गौरव वर्ष'में मातृशक्ति को समर्पित ऐतिहासिक बजट..

रानी दुर्गावती योजना से बेटियों को 1.50 लाख की सहायता.....

- महिलाओं की सुरक्षा, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को मिला सशक्त आधार

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत होने के बाद महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इसे 'महतारी गौरव वर्ष' के संकल्पों को साकार करने वाला ऐतिहासिक और दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह बजट मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मातृशक्ति के सम्मान,

सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को समर्पित है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों के आत्मविश्वास को सशक्त करने का ठोस खाका है। सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन को नीति के केंद्र में रखकर समावेशी विकास का स्पष्ट संदेश दिया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री लखपति दीदी भ्रमण योजना के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को राज्य एवं देश के सफल आजीविका मॉडलों का अध्ययन, प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन का अवसर मिलेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और महिला उद्यमिता को नई दिशा प्राप्त होगी। महिलाओं के लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक और प्रेरक वातावरण तैयार करने हेतु 250 महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अब छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त राज्य के रूप में अपनी नई पहचान बनाएगा : भाजपा

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने कहा है कि वह दिन अब दूर नहीं है, जब छत्तीसगढ़ 'नक्सलमुक्त राज्य' के रूप में अपनी नई पहचान बनाएगा। हम शांति, सुरक्षा और सुशासन के मार्ग पर अडिग हैं और अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति तक हमारा अभियान जारी रहेगा। श्री पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने का जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिया था, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार उसे धरातल पर चरितार्थ कर रही है। आज बस्तर में नक्सलवाद अपने खात्मे की ओर है और विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। श्री पाण्डेय ने विपक्ष की भूमिका पर प्रहार करते हुए पिछली कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की 'शिथिल नीतियों' और 'छद्म बातचीत' के कारण नक्सलवाद को पनपने का मौका मिला था। लेकिन आज, विष्णुदेव साय सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने डबल इंजन सरकार की रणनीतिक उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि एक ओर पिछले दो वर्षों में सुरक्षा बलों ने अभूतपूर्व साहस का परिचय देते हुए रिकॉर्ड संख्या में नक्सलियों को ढेर किया है, उनके सुरक्षित किलों (कोर एरिया) में घुसकर कैंप स्थापित किए हैं, जनवरी 2024 से अब तक 532 नक्सली मारे गए हैं और 2,700 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 203 से ज्यादा स्मारक ध्वस्त भी किए जा चुके हैं; वहीं दूसरी ओर, 'नियद नेल्लानार' योजना ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास की नई अलख जगाई है। जहाँ कभी गोलियों की गूँज थी, वहाँ अब स्कूल, अस्पताल, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएँ पहुँच रही हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश सरकार की उदार पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर सैकड़ों सक्रिय नक्सली हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। बस्तर के सुदूर अंचलों में लघु वनोपज का संग्रहण और प्रसंस्करण बढ़ने से आदिवासियों की आय में वृद्धि हुई है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे क्षेत्रों में अब भयमुक्त वातावरण होने से राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। अब बस्तर का आम नागरिक बिना किसी डर के मतदान केंद्रों तक पहुँच रहा है।

थाना सरस्वती नगर क्षेत्र से लेपटॉप चोरी करने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थी मयंक कुमार ने थाना सरस्वती नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपने दोस्त के साथ कोटा सरस्वती नगर रायपुर में किराये के मकान में रहता है। दिनांक 15.02.26 की रात्रि को कोई अज्ञात चोर प्रार्थी कमरे में रखें उसके दोस्त का लैपटॉप को चोरी कर ले गया था, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सरस्वती नगर में अपराध क्रमांक 42/26 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को अज्ञात आरोपी की पतासाजी एवं शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सरस्वती नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा प्रार्थी एवं उसके दोस्त सहित आसपास के लोगों से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये गये।

छोटे बच्चों को मिल रहा पौष्टिक आहार विद्यालय की बगिया से

रायपुर/ संवाददाता

विद्यालय की बगिया से थाली तक एक अनूठी पहल है, जिसमें छात्र स्कूल परिसर में उगी ताजी, जैविक सब्जियां सीधे अपने मिड-डे मील (मध्याह्न भोजन) में खाते हैं। यह न केवल पौष्टिक आहार सुनिश्चित करता है, बल्कि छात्रों को प्रकृति, श्रम और खेती का व्यावहारिक ज्ञान भी देता है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनते हैं। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के रामानुजनगर के विद्यालयों में किचन गार्डन की एक अनूठी पहल बच्चों के पोषण और व्यावहारिक शिक्षा दोनों को नई दिशा दे रही है। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशन एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के अंतर्गत माध्यमिक शाला पतरापाली का किचन गार्डन पोषण सुदृढ़ीकरण का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। विद्यालय परिसर में शिक्षकों के मार्गदर्शन में विकसित इस बगीचे से नियमित रूप से ताज़ी एवं पौष्टिक सब्जियाँ प्राप्त हो रही हैं, जिन्हें मध्यान्ह भोजन में शामिल कर विद्यार्थियों को अतिरिक्त पोषण प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक किचन गार्डन से लगभग 4 किलोग्राम ताज़ी सेमी (फ्ली) की तुड़ाई की। बच्चों ने स्वयं पौधों की देखभाल, सिंचाई, निदाई-गुड़ाई और तुड़ाई जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे उन्होंने श्रम का महत्व तो समझा ही, साथ ही कृषि एवं पर्यावरण के प्रति व्यावहारिक ज्ञान भी अर्जित किया। विद्यालय के शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना, जैविक खेती के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ना है। ताज़ी सब्जियों के उपयोग से मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता और पौष्टिकता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसका बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिख रहा है। विद्यालय परिवार का मानना है कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में प्रकृति प्रेम, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक कृष्णकुमार यादव, अनिता सिंह, योगेश साहू, रघुनाथ जायसवाल सहित अभिभावकगण एवं स्थानीय समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएँ बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। विद्यालय प्रशासन ने संकल्प व्यक्त किया है कि आगे भी किचन गार्डन में विभिन्न मौसमी सब्जियों की खेती जारी रखी जाएगी, ताकि बच्चों को पोषण और ज्ञान दोनों निरंतर मिलते रहें।

बस्तर से सरगुजा तक विकास की गूंज

बजट 2026-27 में पर्यटन,संस्कृति और आस्था को मिला संबल पर्यटन ढांचे का विस्तार-राजेश

- यह बजट छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 राज्य के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व विभागों के लिए व्यापक और दूरदर्शी प्रावधानों के साथ सामने आया है। छत्तीसगढ सरकार पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर को आर्थिक विकास के इंजन के रूप में स्थापित करने के संकल्प पर आगे बढ़ रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह बजट 'सुरक्षित, सक्षम, और खुशहाल छत्तीसगढ़' के संकल्प को सिद्ध करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में यह बजट जन-आकांक्षाओं की पूर्ति रोजगार सृजन, किसानो के कल्याण, नारी शक्ति के सम्मान और प्रदेश की समृद्ध संस्कृति व पर्यटन के संवर्धन को नई गति प्रदान करेगा। उन्होने आगे कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, मेलों-मड़इयों, उत्सवों और धार्मिक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए देश के प्रतिष्ठित टूर ऑपरेटरों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले एक वर्ष में बुनियादी ढांचे के विकास, होम-स्टे नीति, शक्तिपीठ सर्किट और सिरपुर परियोजना के माध्यम से पर्यटन और संस्कृति राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देंगे। भय और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर आज बस्तर तेजी से पर्यटन हब के रूप में उभर रहा है।

संपादकीय

फ्रांस से 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ।इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आवागमन को नई गति मिलेगी।गौरतलब है कि फ्रांस की मदद से कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच-125 हेलिकाप्टरों के निर्माण के लिए कलपुर्जों को जोड़ने का कारखाना भी स्थापित किया गया है, जहां अब काम शुरू हो गया है। यहां दुनिया के ऐसे शक्तिशाली हेलिकाप्टर का निर्माण किया जाएगा, जो विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा।द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस के बीच 'हैमर' मिसाइलों के उत्पादन को लेकर भी अहम समझौता हुआ है।

एक कहावत है, 'सिर मुंडाते ही ओले पड़े'। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले देश की समस्याओं से दो-चार हों, या अमेरिका से? यह सवाल सबको परेशान किए हुए है। अंतरिम सरकार और अमेरिका के बीच हुए आपसी व्यापार समझौते ने बांग्लादेश की आर्थिक संप्रभुता पर सवाल उठाए हैं, खासकर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसलों में। मुहम्मद यूनुस की सलाह वाली अंतरिम सरकार को सिर्फ कुछ दिनों तक रहना था, उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव सुचारु रूप से कराने तक थी। इसलिए यह सवाल उठा है कि मुख्य सलाहकार अमेरिका से समझौता कैसे कर सकते थे! तारिक रहमान के शपथ लेने के बाद यों भी मुहम्मद यूनुस का नई सरकार से कोई लेना-देना नहीं रह जाता है।

यूनुस गए, शर्तें रह गईं, क्या अमेरिका से समझौते की कीमत चुकाएगा बांग्लादेश

(पुष्परंजन)

उन्होंने जल्दबाजी में अमेरिका से बाध्यकारी समझौता कैसे कर लिया? आलोचक कई बाध्यकारी शर्तों वाले प्रावधानों की ओर इशारा करते हैं, जो यह बताते हैं कि अगर बांग्लादेश वाशिंगटन की शर्तों पर नहीं चला, तो भारी शुल्क फिर से आयद हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, समझौते में डिजिटल कारोबार सुविधा के प्रावधानों को देखा जा सकता है। अमेरिका से हुए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश किसी ऐसे देश के साथ नया डिजिटल व्यापार समझौता करता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को खतरे में डालता है, तो वाशिंगटन इस समझौते को खत्म कर सकता है और बांग्लादेशी निर्यात पर 37 फीसद शुल्क फिर से लगा सकता है।

यही शुल्क दर अमेरिका ने अप्रैल 2025 में प्रस्तावित की थी। नए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश के साथ बातचीत से अमेरिकी चिंताओं का समाधान नहीं होता है, तो अमेरिका इस समझौते से हट सकता है। इसके बाद अगर वह 37 फीसद शुल्क फिर से लागू कर दे, तो यह इतना ज्यादा है कि बांग्लादेश का अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात तेजी से कम हो जाएगा।

यह एक महंगा सौदा है, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई देश अपने निर्यात राजस्व का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिकी खरीदारों को बेचे जाने वाले कपड़ों और दूसरे सामान से कमाता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते के जरिये बांग्लादेश को आर्थिक नकेल पहना दी है।

ऐसा लगता है कि नई सरकार के आने तक ट्रंप प्रशासन को सब्र नहीं था। और इसी वजह से यह आशंका जताई जा रही है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वाइट हाउस के दबाव में काम कर रहे थे। यूनुस चाहते तो इस समझौते को कुछ दिन टाल सकते थे। नौ फरवरी को अंतरिम सरकार और ट्रंप प्रशासन के बीच हुआ समझौता बांग्लादेश को 'किसी ऐसे देश से कोई भी परमाणु संयंत्र, फ्यूल राड या संवर्धित यूरेनियम खरीदने से भी रोकता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को 'खतरे में' डालता है।'

बांग्लादेश ने अतीत में जो समझौते किए, उसे जारी रखने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन नए समझौतों में उसे अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के लिए रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसमें दो रिएक्टर हैं। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र ढाका से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम

में पद्मा नदी के किनारे ईश्वरदी उपजिला के रूपपुर में बन रहा है। रूसी सहयोग से यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा। इसकी दो इकाइयों में से पहली इकाई मार्च 2026 में चालू होने की उम्मीद है।

समझौते से पता चलता है कि रूसी स्टेट कार्पोरेशन रोसाटाम के जरिए रूसी तकनीक और वित्तीय सहायता से बने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए आपूर्ति जारी रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन भविष्य में किसी भी परमाणु परियोजना पर कड़ी जांच हो सकती है। इस मसले पर बांग्लादेश के कुछ विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह समझौते का सबसे जरूरी और विवादित हिस्सा है, क्योंकि यह हमारी संप्रभुता पर सवाल उठाता है।

अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है। यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी।

इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी। इस संदर्भ में देखें तो विशेषज्ञों की यह आशंका समझी जा सकती है कि यह मुक्त व्यापार के बजाय थोपी हुई जिम्मेदारी ज्यादा है। यह असल में अमेरिकी कंपनियों और वहां के किसानों के लिए मुनाफे को पक्का करता है। इस संदर्भ में 'साउथ एशियन नेटवर्क आन इकोनामिक माडलिंग' की ओर से उठाई गई चिंता भी गौरतलब है कि बांग्लादेश को सस्ते विकल्प मौजूद होने पर भी ज्यादा महंगा सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इससे बांग्लादेश के विदेशी लेनदेन पर और दबाव पड़ेगा। सवाल है कि फिर बांग्लादेश एयरक्राफ्ट खरीदने और ऊर्जा आयात के लिए पूंजी कैसे लगाएगा? स्वाभाविक तौर पर इससे विदेशी ऋण पर निर्भरता बढ़ने का खतरा है। ऐसी चिंताएं भी सामने आई हैं कि अमेरिका से समझौते के बाद बांग्लादेश को अब कच्चे माल के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी। कुल मिलाकर, 'यूनुस गए, मगर समस्या छोड़ गए' वाली स्थिति पैदा हो चुकी है। मुहम्मद यूनुस को 'अमेरिका के करीबी' के तौर पर देखा जाता रहा है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए बिल क्लिंटन परिवार से उनकी निकटता के कई उदाहरण दिए जाते हैं। हालांकि यह भी एक सार्वजनिक तथ्य है कि यूनुस का अकादमिक करिअर अमेरिका में बना। बिल क्लिंटन ही नहीं, बाद के राष्ट्रपतियों, जो बाइडन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक से उन्होंने बेहद करीबी संबंध बनाए रखा। इन अन्योन्याश्रय संबंधों का फायदा उनके परिवार को मिलने के भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। सच यह है कि मुहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल में जो कुछ किया, उसकी सही से जांच हो, तो कई नकारात्मक सूचनाएं भी लोगों को निराश करेंगी। मगर जो सकारात्मक पक्ष है, वह यह है कि बांग्लादेश में समय पर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव हो गया। यह दीगर बात है कि तेरह फरवरी को बांग्लादेश में चुनाव के नतीजे आने के ठीक बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब जर्मनी चले गए। इस 'अचानक प्रस्थान' ने यूनुस के साथियों के 'सुरक्षित निकलने' की बातों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या मुहम्मद यूनुस भी अमेरिका या यूरोप के किसी देश में जाने की तैयारी में हैं!

सेना को ताकतवर बनाती एआई तकनीक

(राज शुक्ला)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीक अब सैन्य क्षेत्र में भी पीढ़ीगत बदलाव का वाहक बन गई है। यह सामरिक क्षमताओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। हम फिलहाल एआई, साइबर, क्वांटम जैसी प्रौद्योगिकी के तूफान से गुजर रहे हैं, जिसकी जद में वैश्विक व्यवस्था और सुरक्षा, दोनों हैं। कैसे? एक उदाहरण से समझाने की कोशिश करता हूं।

यूक्रेन में अमेरिकी एआई कंपनी पैलांटिर ने एआई पर आधारित गोथम कमांड और कंट्रोल सॉफ्टवेयर तैनात किया है, जो सैटेलाइट डाटा, सोशल मीडिया पोस्ट, सैनिकों के 'वाइड एरिया नेटवर्क', यानी डब्ल्यूएएन उपकरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी आदि सबका विश्लेषण करता है और करीब 1,000 किलोमीटर लंबी उसकी सरहद की रक्षा करता है। यह सुरक्षा तंत्र इस कदर मजबूत है कि सीमा पर कोई भी हरकत हुई, तो घुसपैठिए की पहचान करने से लेकर ढेर करने में उसे सिर्फ छह से सात मिनट का वक्त लगता है। यह एआई तकनीक पर आधारित है और ड्रोन से लैस भी।

भारत में भी इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की मांग गलत नहीं है, खास तौर से नियंत्रण रेखा (एलओसी) और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर। इसके लिए एआई, ड्रोन, थ्रीडी प्रिंटिंग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आदि सबका 'कोलाज' बनाना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यदि मैक 6 या मैक 7 की गति से कोई हाइपरसोनिक मिसाइल हमारी सीमा की तरफ बढ़ रही हो, जो एआई की मदद से स्वतः-लक्ष्य को नष्ट करने में सक्षम हो, तो मानव संचालित गति से उसका जवाब नहीं दिया जा सकता, बल्कि एआई युक्त उपकरणों से ही हम माकूल जवाब दे सकते हैं।

हम दो विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं। एक, एआई सक्षम तकनीक में इंसान 'लूप' में रहे, यानी फैसले लेने की प्रक्रिया में इंसानी दखल हो, और दूसरा- तकनीक में कोई मानवीय हस्तक्षेप न रहे। मेरा मानना है कि जब आक्रमण और बचाव के बीच जंग होती है, तब इंसान अगर जवाबी प्रक्रिया से बाहर रहे, तो प्रतिक्रिया कहीं अधिक तेज हो सकेगी। इससे जवाबी हमले कहीं अधिक मारक और सधे हुए होंगे।

जाहिर है, एआई का फिलहाल कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अमेरिका का उदाहरण देखिए। उसने अपने दो कमान चुने- यूनाइटेड स्टेट्स इंडो-पैसिफिक कमांड (इंडोपैकॉम) और यूरोपीय कमान (ईयूकॉम)। इनके लिए उसने लार्ज लैंग्वेज मॉडल बनाने का अनुबंध किया माइक्रोसॉफ्ट के साथ, एजेंटिक एआई का अनुबंध स्केल एआई कंपनी के साथ और डिफ्यूजन एआई का ठेका दिया एंडुरिल कंपनी को। तीनों एआई क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां हैं। इनको कहा गया है कि वे न सिर्फ अमेरिका का, बल्कि दुश्मन देशों के डाटा का भी विश्लेषण करें और सुरक्षा-व्यवस्था को एआई से लैस करें। आज अमेरिका अगर एआई-आधारित सुरक्षा-व्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका में है, तो इसकी वजह समझी जा सकती है।

दिक्कत यह है कि रक्षा बजट को हम 'पूंजी' व 'राजस्व' के चश्मे से देखने के आदी हो गए हैं। जबकि, हमें यह देखना चाहिए कि एआई, क्वांटम या नई प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने पर हम कितना खर्च कर रहे हैं? राफेल जैसे विमान हमारी सुरक्षा व्यवस्था को तभी मजबूत बना सकते हैं, जब वे एआई से सक्षम और आधुनिक तकनीक से लैस हों। यह 'सॉफ्टवेयर आधारित युद्ध' का दौर है। इसमें वही देश आगे रहेगा, जो नई-नई प्रौद्योगिकी में न सिर्फ निवेश करेगा, बल्कि उनको खुले दिल से अपनाएगा। हमें अब 'तकनीक-प्रथम सेना' की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। एआई के मामले में वैश्विक तौर पर अमेरिका और चीन, दो ताकतवर देश हैं। अमेरिका जहां कंप्यूटिंग और हार्डवेयर का सरताज है, वहीं चीन की ताकत सॉफ्टवेयर और ऊर्जा है। वह हर दिन एक गीगावाट बिजली की उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है। उधर, अमेरिका में हर दिन एक अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है। हम फिलहाल उनकी बराबरी नहीं कर सकते, लेकिन तकनीक के जरिये बचाव के उपाय जरूर तलाश सकते हैं। हमारे पास भरपूर प्रतिभा है, राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है, हमें सिर्फ अपने नौकरशाहों की नीयत ठीक करनी होगी। अगर ऐसा कर सके, तो अगले पांच-सात साल में हम काफी विकसित हो जाएंगे। 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक पहुंचते-पहुंचते हम शीर्ष वैश्विक सैन्य ताकत भी बन सकते हैं। (लेखक लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आभासी दुनिया का भटकाव और वास्तविक जीवन से पलायन, क्यों कमजोर हो रहा है बालमन?

ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? किसी भी समाज के लिए इससे भयावह कुछ नहीं हो सकता कि बच्चे हंसते हुए बड़ी सहजता से जीवन का साथ छोड़ने लगें। कुछ समय पहले नोएडा में सत्रह साल के एक किशोर ने पंद्रहवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले सीसीटीवी फुटेज में वह बच्चा लिफ्ट से ऊपर जाते हुए 'विक्ट्री साइन' यानी जीतने का भाव दर्शाता दिखा।

(मोनिका शर्मा)

उसने अपनी मां को संदेश भेजकर खुदकुशी जैसा कदम उठाने और अभिभावकों को पीड़ा देने के लिए क्षमा भी मांगी। यह व्यवहार हर संवेदनशील व्यक्ति को भयभीत करने वाला है। साथ ही यह बाल मनोविज्ञान को लेकर बहुत से प्रश्न भी उठाता है। आखिर मौत को चुनने में एक बच्चे को अपनी जीत क्यों दिख रही है? इस ऊर्जावान उम्र में वह जीवन से हारकर किससे जीत रहा है?

कुछ समय पहले अहमदाबाद के एक स्कूल में सोलह वर्ष की बच्ची हंसते हुए अपनी कक्षा से बाहर निकली और हाथ में चाबी का गुच्छा घुमाते हुए बड़ी सहजता से उसने स्कूल की चौथी मंजिल से अचानक छलांग लगा दी। इस तरह की कई घटनाएं सामने आईं, जो बताती हैं कि नई पीढ़ी को समझने और समझाने में कहीं तो चूक हो रही है। ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी उलझन व्यवहार और विचार की सतह पर नहीं दिखती। समय रहते हल खोजा जाए, इसका अवसर ही नहीं मिलता। बहुत से माता-पिता जीवन भर यह नहीं समझ पाते कि बच्चे ने खुदकुशी का रास्ता आखिर चुना ही क्यों!

निस्संदेह, बच्चों के जीवन का अंत करने की मानसिकता का दायरा फैलना समग्र समाज को चिंता में डालने वाला है। आत्महत्या के ऐसे मामले आक्रोश में जिंदगी का साथ छोड़ने वाला कदम उठा लेने वाली घटनाओं से बिल्कुल अलग हैं। बच्चों का सोच-समझकर माता-पिता के लिए संदेश लिखकर, संयत दिखते हुए अपनी जान देना पारिवारिक परिवेश से लेकर शैक्षणिक और सामाजिक हालात तक, सभी को कठघरे में खड़ा करता है। यहां जरा ठहरकर बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझने और आंकड़ों से परे गहराई से बड़े होते बच्चों की अनुभूतियों को समझने की आवश्यकता है। बच्चों का यह अप्रत्याशित व्यवहार हर किसी को असहज करने वाला है।

इन घटनाओं से जुड़े सवाल अभिभावकों के मन को उम्र भर कचोटते हैं। कई लोगों को किसी मासूम बच्चे द्वारा ऐसा अतिवादी कदम उठा लेने के बाद भी ऐसे वाकये अविश्वसनीय से लगते हैं। यही कारण है कि इन घटनाओं के पीछे छिपे कारण स्पष्ट रूप से समझना भी मुश्किल होता जा रहा है। अभिभावक हों या शिक्षक, बच्चों के मन की थाह लेना सचमुच बहुत कठिन हो गया है। देखने में आता है कि बच्चों के बौद्धिक विकास को अहम मानने वाले सामाजिक-पारिवारिक माहौल में उन्हें भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने को लेकर नहीं सोचा जाता। ऐसी घटनाएं

बताती हैं कि स्कूल परिसर हो या आस-पड़ोस का परिवेश, बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से सबल बनाना आवश्यक है। कम से कम अपने मन की कुंठा, तनाव या किसी के व्यवहार से उपजी शिकायतों को अभिभावकों से साझा करना हर बच्चे को सिखाया जाए। कड़ी प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे असहाय महसूस करने लगे हैं। अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ तो दूसरी ओर चमक-दमक भरी आभासी दुनिया का भटकाव। आभासी संसार से जुड़े खेल तक जान देने का कारण बन गए हैं।

विचारणीय है कि हर ओर से अपने हिस्से आ रहे मानसिक दबाव के कारण बच्चे जाने-अनजाने अवसाद और अकेलेपन से घिर जाते हैं। साथ ही सोशल मीडिया की छवि से लेकर आम जीवन, हमउम्र बच्चों से तुलना और दबाव की स्थितियां छोटे-छोटे बच्चों के मन को अनगिनत उलझनों के घेरे में ला रही हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, 2019-2023 के बीच ऐसी घटनाओं में 34.4 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है।

असल में भावनात्मक बोझ उठाता बालमन आज कई परेशानियों के बीच बड़ा हो रहा है। अभिभावकों के अलगाव से लेकर पारिवारिक समस्याओं और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने से लेकर जीवन से जुड़े हर पहलू पर दबाव झेलना अब बहुत से बच्चों की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। पीछे छोड़े आत्महत्या नोट में इस तरह के दबाव और तनाव की स्थितियों का खुलासा होता है। कैसी विडंबना है कि आत्महत्या जैसा कदम उठाने से पहले कोई बच्चा मन की बात नहीं बता पाता है, तो किसी बच्चे की उलझती मनःस्थिति को समझने में बड़ों से चूक हो जाती है।

बीते कुछ वर्षों से अभिभावक, शिक्षक, बच्चों के मन को समझने का प्रयास करते हैं। सहयोगी रवैया अपनाते हैं। अंकों की दौड़ में आगे रहने से कहीं ज्यादा जीवन सहेजने का भाव बड़ों में भी आया है। इसके बावजूद खुलेपन, आभासी संसार की मौजूदगी और मानसिक मोर्चे पर बिखराव के कारण बच्चों में आत्मघाती विचार जड़ें जमा रहे हैं। तकनीक के भंवर में उलझे बच्चे भावनात्मक रूप से अस्वस्थ भी हो रहे हैं। बुनियादी रूप से उनकी मनःस्थिति वास्तविक जीवन को समझने से दूर हुई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, पांच में से एक बच्चा मानसिक रूप से कमजोर है। भावनात्मक दुर्बलता और अति संवेदनशीलता बच्चों को असुरक्षा, भय, अवसाद, आत्म-अभिव्यक्ति की असमर्थता और आत्मविश्वास की कमी का शिकार बना देती है। समझना आवश्यक है भावनात्मक असंतुलन का बच्चों को घेरती किसी बुरी आदत या लत से सीधा संबंध होता है। इनका जाल भी कई बार आत्मघात के हालात बना देता है। ऐसे में संस्थागत, पारिवारिक और सामाजिक- हर पहलू पर बालमन को समझने के प्रयास आवश्यक हैं। बच्चों मे बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए बड़ों का सजग और बालमन का आत्म-जागरूक होना जरूरी है।

मुखबिर की सूचना के आधार पर वन्यप्राणी शिकार के आरोपियों को जेल भेजा गया

8 नग प्लास्टिक की थैलियों में रखे गये मांस प्राप्त

कोण्डागांव। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के दल द्वारा बाजार पारा निवासी उषा बाई रजक के मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वहां से 8 नग प्लास्टिक की थैलियों में रखे गये मांस प्राप्त हुये। मांस के संबंध में पूछताछ करने पर मकान में मौजूद संगीता निर्मलकर एवं उषा बाई ने बताया कि वह मांस वन्य प्राणी सांभर का है तथा इसे खाने एवं बेचने के उद्देश्य से ग्राम उरपुटी जिला धमतरी निवासी नरसु पिता पिलारू से खरीदकर लाना बताया गया। उक्त दोनों आरोपीगण के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से दोनों आरोपियों को

माननीय न्यायालय द्वारा 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर जगदलपुर जेल भेजा गया। दोनो आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तथा वनमण्डलाधिकारी श्री चूडामणी सिंह के निर्देशानुसार एक दल का गठन किया गया जो तत्काल धमतरी के लिए अग्रिम कार्यवाही हेतु रवाना हुआ। दल द्वारा ग्राम उरपुटी जिला धमतरी पहुंच कर नरसु के निवास में दबिश दी गयी। उससे पूछताछ करने पर यह स्वीकार किया गया कि सांभर का शिकार उसके 04 साथियों से मिलकर किया गया है तथा मांस संगीता निर्मलकर से सम्पर्क कर 20 फरवरी 2026 को शाम में बेचना बताया गया। वन्य प्राणी सांभर के शरीर का वह भाग जो खाने योग्य नहीं था उसे धमतरी वनमण्डल के आरक्षित वन कक्ष क्रमाक आर. एफ 178 में जला दिया गया। उक्त जानकारी के आधार पर नरसु पिता पिलारू, मुकेश पिता पिलारू, दुलेश्वर पिता धनीराम, तुलसी पिता भानसिंग, मैतु पिता मंगलु ग्राम उरपुटी जिला धमतरी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोण्डागाँव लाया गया जिन्हे 23 फरवरी 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त समस्त कार्यवाही में कोंडागांव पुलिस विभाग का सराहनीय योगदान रहा जिसके लिये वनमंडलाधिकारी कोण्डागांव वनमंडल द्वारा विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया।

जनगणना के प्रथम चरण के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कोण्डागांव। जनगणना-2027 के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना में कहा कि सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि जनगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के संबंध में जनगणना निदेशालय रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स हिरेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चरणबद्ध विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण व मकान गणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक होगा। इस बार जनगणना में डाटा संकलन केवल डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। इस दौरान मकानों सूचीकरण, फील्ड में डाटा संकलन, एचएलओ मोबाइल एप से डाटा की प्रविष्टी के साथ चार्ज अधिकारियों के दायित्व सहित जनगणना के दौरान आने वाले समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम अजय उरांव, अश्वन पुसाम एवं आकांक्षा नायक सहित तहसीलदार, सीएमओ एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया नियद नेल्लानार योजना के क्रियान्वयन हेतु ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की नियुक्त

कोण्डागांव। राज्य सरकार की नियद नेल्लनार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और शत-प्रतिशत योजनाओं के संतृप्तिकरण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ी प्रशासनिक पहल की है। कलेक्टर नम्रता जैन ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अलग-अलग ग्राम पंचायतों का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि समन्वय के साथ योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा के लिए कार्यपालन अभियंता पीएमजेएसवाई विनय कुमार वर्मा, कलमानार के लिए श्रम पदाधिकारी अमरसिंह खाण्डे एवं जिला सलाहकार जीवनलाल, नेड़नार के लिए जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र नाग एवं जिला समन्वयक गिरेन्द्र साहू, तथा गोरपा के लिए उप संचालक कृषि मोनिका ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार मेटानार के लिए उप संचालक पंचायत यक्षपाल प्रेक्षा, कुंदला के लिए कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी संजय चौहान, कच्चापाल के लिए कार्यपालन अभियंता आरईएस रामेश्वर नेताम, मुरनार के लिए सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी दीपेश रावटे और झारावाही के लिए सीएमएचओ डॉ. टीआर कुंवर को नोडल अधिकारी बनाया गया है।कोहकामेटा के लिए तहसीलदार शय्यद एजाज हासमी, कुतुल के लिए जनपद सीईओ ओरछा लोकेश चतुर्वेदी, धुरबेड़ा के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजेन्द्र सिंह, पदमकोट के लिए कार्यपालन अभियंता जल संसाधन अशोक चौधरी तथा पांगुड़ के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल को दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा रायनार के लिए सीईओ जनपद पंचायत नारायणपुर सुनिल सोनपिपरे, ओरछा के लिए तहसीलदार विजय कुमार साहू, गुदाड़ी के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी लुपेंद्र महिलांग, आदेर के लिए एसडीएम डॉ. सुमित गर्ग, ढोंढरबेड़ा के लिए डीएमसी राजीव गांधी शिक्षा मिशन डीबी रावटे को जिम्मेदारी दी गई है। पोचावाड़ा के लिए ईडीएम कामरान खान, कोंगे के लिए सहायक अभियंता क्रेडा विजय कुमार ध्रुव, जाटलूर के लिए उप संचालक समाज कल्याण एसएस रैदास, लंका के लिए जिला खाद्य अधिकारी मोहम्मद अलाउद्दीन, मुरूमवाड़ा के लिए कार्यपालन अभियंता सीएसईबी केएल उईके तथा ग्राम पंचायत घमंडी के लिए कार्यपालन अभियंता पीएचई एसके वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली

अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने तेंदूपत्ता संग्रहण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित

अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में अवैध वन कटाई की रोकथाम हेतु मैदानी अमले को सतर्क एवं सक्रिय रहने को कहा। उन्होंने जिले के विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के सुचारू संचालन के लिए समूह के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की योजनाओं के अंतर्गत श्रम पंजीयन, दीदी ई-रिक्शा योजना तथा बीमा भुगतान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा।

कलेक्टर ने शासन की महत्वपूर्ण होम-स्टे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए जिले में होम-स्टे संचालन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार पंजीयन एवं बायोमेट्रिक अपडेट के कार्यों में तेजी लाने विशेष जोर दिया गया। संपूर्णता अभियान अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक तैयारी रखने को कहा। साथ ही धान उठाव की समीक्षा करते हुए उठाव कार्य में तेजी लाने हेतु डीएमओ को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

भाजपा एससी मोर्चा में प्रीति दूधी को मिली जिला उपाध्यक्ष की दायित्व

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने प्रीति दुधि को जिला एससी मोर्चा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा पार्टी के जिला पदाधिकारियों द्वारा की गई।वरिष्ठ नेताओं ने प्रीति दुधि को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रीति दुधि लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में उनकी भागीदारी उल्लेखनीय रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने, केंद्र व राज्य सरकार क ी

जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी।जिला नेतृत्व ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है और एससी मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे में प्रीति दुधि की नियुक्ति से मोर्चा को नई ऊर्जा, गति और दिशा मिलेगी।पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, युवाओं और महिलाओं को जोड़ने तथा सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी।नियुक्ति के बाद प्रीति दुधि ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अनुसूचित जाति समाज के अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना रहेगा।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा 1 मार्च को आयोजित

नारायणपुर। जिला नारायणपुर अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छेरीबेड़ा एवं ओरछा में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 01 मार्च 2026 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा केन्द्र शासकीय कन्या शिक्षा परिसर गरांजी, शासकीय बालक बुनियादी आदर्श आवासीय विद्यालय गरांजी एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओरछा में परीक्षा का आयोजन किया जायेगा।

मेधावी विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण हेतु श्री हरिकोटा रवाना

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में कोंडागांव जिले के मेधावी विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट हेतु रवाना किया गया। कोण्डागांव जिले के पीएम श्री विद्यालयों के हायर सेकेण्डरी स्तर पर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको की 16 सदस्यीय टीम को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम श्री विद्यालयों के अंतर्गत संचालित पीएम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश भ्रमण हेतु आज रवाना किया गया। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल,

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल द्वारा आज हरी झण्डी दिखाकर विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। यह टीम भद्राचलम, विजयवाड़ा एवं सुलूरपेटा मार्ग से होकर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र का शैक्षणिक भ्रमण करेगी। यहाँ विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, रॉकेट प्रक्षेपण प्रणाली एवं उपग्रह तकनीक के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को निकटवर्ती पक्षी अभयारण्य (पुलिकट झील क्षेत्र) एवं समुद्र तट का भी भ्रमण कराया जाएगा, जिससे उन्हें प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना तथा व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संजय सोढ़ी का स्पष्ट संदेश- नक्सली विचारधारा से दूरी रखें, सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी दिखाएं युवा

मंगीतोंग पाकेला में सोढ़ी समाज का शक्ति प्रदर्शन

शिक्षा, एकता और राष्ट्रहित का लिया गया संकल्प

सुकमा। विकासखंड छिंदगढ़ के ग्राम मंगीतोंग पाकेला में उयका सोढ़ी परिवार का जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक स्वाभिमान और सकारात्मक सोच के संदेश के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में सुकमा जिले सहित बीजापुर, दंतेवाड़ा और ओडिशा से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे आयोजन में समाज को संगठित करने, नशामुक्ति अभियान को मजबूत करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर व्यापक चर्चा की गई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की असली ताकत उसकी शिक्षा, अनुशासन और आपसी एकता में होती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को मजबूत बनाने और समाज का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी गई।

शिक्षा ही समाज को ऊंचाइयों तक ले जाएगी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए दीपिका सोढ़ी (सदस्य, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग) ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों की विरासत, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोढ़ी परिवार का हर बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करे और प्रशासनिक, शैक्षणिक, न्यायिक एवं अन्य बड़े पदों तक पहुंचे–यह समाज का सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी बच्चे के माता या पिता का निधन हो गया हो और वह घर पर रहकर पढ़ाई कर रहा हो, तो इसकी जानकारी उन्हें दी जाए।

शासन की योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चों को 4000 रुपये प्रतिमाह की सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आर्थिक अभाव के कारण उनकी पढ़ाई बाधित न हो।

महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और सशक्त होती हैं, तभी समाज सशक्त बनता है। शिक्षा, जमीन विवाद, घरेलू हिंसा या किसी भी सामाजिक समस्या की स्थिति में तुरंत संपर्क करने का आग्रह करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे हर परिस्थिति में समाज के साथ खड़ी हैं। समाज की ओर से प्रस्तुत मांगपत्रों पर यथासंभव कार्रवाई कराने का आश्वासन भी दिया।

नक्सली विचारधारा को समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा

समाज के वरिष्ठ सदस्य संजय सोढ़ी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कुछ युवा सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं और बिना सोचे-समझे टिप्पणियां कर रहे हैं, जिससे समाज की छवि प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सोढ़ी समाज देश विरोधी या नक्सली विचारधारा का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने कुख्यात नक्सली माड़वी हिड़मा का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें शहीद या हीरो बताने का प्रयास करते हैं, जबकि ऐसे कृत्यों से अनेक निर्दोषों की जान गई है। समाज ऐसे किसी भी विचार या गतिविधि का समर्थन नहीं करेगा।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, सकारात्मक सोच अपनाएं और समाज तथा राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

दीपिका सोढ़ी का आह्वान–सोढ़ी परिवार का हर बच्चा उच्च शिक्षा पाए, महिलाएं बनें समाज की ताकत

सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संकल्प

सम्मेलन में सोढ़ी समाज की पहचान गोंड जनजाति के रूप में उल्लेखित करते हुए उसकी समृद्ध आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने का संकल्प दोहराया गया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी जड़ों और संस्कृति को सहेजकर रखना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष लच्छुराम सोढ़ी ने कहा कि जिस प्रकार समाज की बेटी दीपिका सोढ़ी अधिवक्ता, राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में तथा समाज के बेटे संजय सोढ़ी सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, उसी प्रकार हर बच्चे को शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मुकरम से आए हिड़मा गुरुजी ने स्थानीय गोंडी बोली में प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने कोया माटा की परंपरा और समाज की सांस्कृतिक जड़ों को जानने एवं समझने पर विशेष बल दिया।

प्रमुख उपस्थिति

सम्मेलन में लच्छू सोढ़ी (अध्यक्ष), राजू सोढ़ी (उपाध्यक्ष), मानका सोढ़ी (सचिव), राजू सोढ़ी (उप सचिव), महेश सोढ़ी, देवालाल सोढ़ी, राजूराम सोढ़ी, सायम सोढ़ी, नंदा सोढ़ी, मंगडू सोढ़ी, रामधर सोढ़ी, भीमा सोढ़ी, रमेश सोढ़ी, सुशीला सोढ़ी, सुक्को सोढ़ी, रीना सोढ़ी सहित सोढ़ी परिवार जिला सुकमा के अनेक प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन शिक्षा, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। मंगीतोंग पाकेला में आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन सामाजिक जागरूकता, एकता और आदिवासी स्वाभिमान का सशक्त उदाहरण बनकर रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईजी रामगोपाल गर्ग ने पुलिस परिवार की बेटियों का सिविल जज चयन होने पर सम्मान किया

बिलासपुर। पुलिस परिवार की बेटियों ने अपनी प्रतिभा से एक बार फिर विभाग का नाम रोशन किया है। सिविल जज परीक्षा में चयनित स्वाति पैकरा और मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली संध्या कौशिक को पुलिस अधिकारियों ने सम्मानित कर बधाई दी। पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने विशेष शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक सतलोक साय पैकरा की पुत्री स्वाति पैकरा को सिविल जज परीक्षा में प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त करने पर अपने कार्यालय में सम्मानित किया। उन्होंने स्वाति को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद पुलिस परिवार के बच्चे अपनी मेहनत और लगन से लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। वहीं प्रधान आरक्षक उमाकांत कौशिक की पुत्री संध्या कौशिक को भी एमबीबीएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन और कुल पांच गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वर्तमान में संध्या हैदराबाद में रेडियोलॉजी में उच्च अध्ययन कर रही हैं। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी दोनों प्रतिभाशाली छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे पुलिस परिवार के लिए गर्व का विषय है।

जल कुंभी से पटा भदरापारा का तालाब, निस्तारी में हो रही परेशानी

कोरबा । बालको नगर के वार्ड क्रमांक 39 भदरापारा के साडा कॉलोनी व वार्ड क्रमांक 41 भदरापारा स्थित तालाब में जलकुंभी के चलते अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं। तालाब का पानी नजर ही नहीं आ रहा है, जलकुंभी के चलते तालाब घास व कचरे का मैदान नजर आने लगे हैं।हर वर्ष तालाब न सिर्फ सिकुड़ रहा है। तालाब में गंदे पानी के नए स्त्रोत भी छोड़े जा रहे हैं। तालाब में प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य कचरा इतनी मात्रा में फेंका जा रहा है कि पूरे तालाब में जलकुंभी के कारण हरी चादर दिखाई देती है। यहां का पानी वर्तमान में इतना गंदा हो गया है कि तालाब का पानी दुर्गंध दे रहा है। बताया जा रहा हैं की इन बड़े तालाब में पहले पानी लबालब भरा था पर जलकुंभी की अधिकता और लोगों द्वारा कूड़ा-कचरा इसमें फेंकने से इसका पानी गन्दा होता गया। जिम्मेदारों द्वारा भी तालाबों की साफ-सफाई के लिए कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है, सालभर से तालाब की सफाई कराने ध्यान नहीं दिया जा रहा है। तालाब का पानी निस्तारी के लायक नहीं रहा। तालाब का पानी गंदा होने से नहाने पर खुजली होती है। क्षेत्र के लोगों ने तो अब तालाब में नहाना ही छोड़ दिया है।

राष्ट्र संत गाडगे की 150वीं जयंती पर शिक्षा और स्वच्छता का दिया संदेश

कोरबा। महान समाज सुधारक संत गाडगे बाबा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर बालको स्थित सामाजिक सामुदायिक भवन में श्रद्धा और उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संत गाडगे बाबा के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा-अर्चना के साथ हुई। उपस्थित जनों ने उनके विचारों को स्मरण करते हुए समाज में शिक्षा, स्वच्छता और समानता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बालको इकाई के अध्यक्ष गिरधारी बरेठ ने कहा कि संत गाडगे बाबा ने समाज को जो प्रेरणा दी, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, एक रोटी कम खाओ, अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ जैसे विचार देकर संत गाडगे बाबा ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाया। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में वास्तविक सुधार संभव है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ समाजसेवक जी.पी. बरेठ, सत्यनारायण कर्ष, डोमराज बरेठ, बालको इकाई के कोषाध्यक्ष रविशंकर बरेठ, विद्या भूषण बरेठ, राहुल बरेठ, बालमुकुंद बरेठ सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उपस्थितजनों ने संत गाडगे बाबा के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड बना संबल, 70 वर्षीय शंकर लाल को मिला 1.27 लाख रुपये का निःशुल्क उपचार

कोरबा। भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संचालित 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' के माध्यम से 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक श्री शंकर लाल को नि:शुल्क उपचार का लाभ मिला है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए यह योजना संजीवनी साबित हो रही है। जिला कोरबा के करतला तहसील अंतर्गत ग्राम मड़वारानी के निवासी श्री शंकर लाल मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद नियमित उपचार नहीं करा पा रहे थे।

जनजातीय अधिकारों की रक्षा हेतु लुण्ड्रा में डीलिस्टिंग कार्यशाला आयोजित

दिल्ली डीलिस्टिंग गर्जना महारैली की तैयारियों को लेकर लुण्ड्रा में जनजाति समाज का महासंकल्प

- अधिकार और अस्तित्व की लड़ाई: लुण्ड्रा से दिल्ली तक गूंजेगी जनजाति समाज की आवाज
- डीलिस्टिंग मुद्दे पर जनजाति सुरक्षा मंच की निर्णायक बैठक, दिल्ली कूच का आह्वान

अम्बिकापुर। जनजाति सुरक्षा मंच, खंड लुण्ड्रा द्वारा खंड स्तरीय एक दिवसीय डीलिस्टिंग कार्यशाला का आयोजन पंचायत भवन लुण्ड्रा में आयोजित किया गया। इस बैठक में 24 मई को दिल्ली में होने वाली डीलिस्टिंग जनजाति गर्जना महारैली की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जशपुर प्रांत के सह संयोजक इंदर भगत ने कहा कि संविधान निर्माण के बाद से जनजाति समाज को अपेक्षित संवैधानिक हक, अधिकार नहीं मिला है। उन्होंने वर्षों पहले डीलिस्टिंग की मांग को पहली बार संसद में रखने वाले बाबा कार्तिक उरांव के योगदान को याद किया और कहा कि समाज को रास्ता और दिशा दिखाने के बावजूद समाज आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत है। जनजाति सुरक्षा मंच सरगुजा के जिला संयोजक बिहारी लाल उरांव ने बताया कि यह मुद्दा जनजातीय समाज के अस्तित्व, अधिकार और संवैधानिक संरक्षण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने समाज को जागरूक,

संगठित एवं एकजुट रहने का आह्वान किया और कहा कि हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा। जिला सह संयोजक पुरन सिंह टेकाम ने कहा कि हमने गांव स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक डीलिस्टिंग रैली किया है अब बारी है दिल्ली जाने की जिसके लिए प्रत्येक गांव के हर एक मोहल्ले से लोगों से जनसंपर्क करना है और दिल्ली जाना है। लुण्ड्रा खण्ड संयोजक हीरा सिंह टेकाम ने कहा कि पहले भी लुण्ड्रा से महारैली में हजारों जनजाति शामिल हुए हैं, इस बार देश की राजधानी में है इसलिए इस बार उत्साह पहले से बहुत ज्यादा है। बैठक में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंच कर समाज की एकजुटता दिखाने का संकल्प लिया और एक स्वर में कहा कि वे डीलिस्टिंग गर्जना महारैली में भाग लेकर अपने समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाएंगे। कार्यशाला में संचालन ठाकुर दयाल पैंकरा एवं आभार प्रदर्शन मंगल कोरवा ने किया। कार्यशाला में चमनलाल पैंकरा, अमरदेव पैकरा, सेवक सिंह, दिनेश एक्का, बालम साय सिंह, दलित कुमार, सोमर साय, महेश्वर पैंकरा, किशुन राम, सीमा पैंकरा, कमलेश, महेश कुमार, रामकुमार पावले, तुलेश्वर पैकरा, उमेश कुमार, विकाश कुमार, सुबोध कुमार, सचिन भगत, राम बिहारी पैकरा, मनोज पासवान, बलजेन्द्र उपस्थित रहे।

125 दिनों के रोजगार से विकसित भारत जी राम जी का मार्ग होगा प्रशस्त

दतिमा मोड़। भैयाथान विकासखंड में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 का व्यापक प्रचार प्रसार हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नई योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत परिवार को 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही मजदूरी का भुगतान प्रत्येक सप्ताह किया जाएगा, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी और आजीविका सशक्त बनेगी। समस्त प्रतिनिधियों को विकसित भारत जी राम जी योजना, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के लाभों की जानकारी दी गई। गांव के विकास की रूपरेखा ग्राम सभा स्वयं तय करेगी और आवश्यकता अनुसार अधोसंरचना विकास, जल संरक्षण, महिला

सशक्तिकरण तथा युवाओं को कौशल से जोड़ने के कार्य किए जाएंगे। पारदर्शिता एवं जवाबदेही के लिये डिजिटलाइजेशन एवं टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा जिसमें बायोमेट्रिक्स प्रमाणीकरण मोबाइल आधारित निगरानी, रियल टाइम डेशबोर्ड, ऐ आई आधारित विश्लेषण, नागरिक सहभागिता मुख्य केंद्र रहेगा, योजना में जल संरक्षण, सिंचाई, भी जल संचयन, वाटरशेड विकास, वनीकरण, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवीन जैसे कार्यों पर रहेगा फोकस राज्य सरकार द्वारा जिलेभर में आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में आजीविका डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही स्थानीय समुदाय को आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण एवं अन्य विभागों से सहयोग प्रदान कर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से विकास शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

बलरामपुर। शासन की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। साथ ही भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं। विकासखण्ड राजपुर के ग्राम लड़ूवा निवासी श्री विकास शर्मा ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति

मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री विकास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें। श्री शर्मा ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाइल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा।

भारत मंडपम में युवा कांग्रेस के अमर्यादित प्रदर्शन के विरोध में घड़ी चौक पर उग्र प्रदर्शन किया गया

- भारतीय जनता पार्टी सरगुजा महिला मोर्चा ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

अंबिकापुर। एआई समिट के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में युवा कांग्रेस द्वारा किए गए अमर्यादित, अभद्र एवं अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में आज स्थानीय घड़ी चौक अंबिकापुर में भाजपा सरगुजा महिला मोर्चा द्वारा तीव्र विरोध प्रदर्शन किया गया। महापौर मंजूषा भगत एवं प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री फूलेश्वरी सिंह की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े के नेतृत्व में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर

अपना आक्रोश प्रकट किया। इस अवसर पर शुभांगी बिहाड़े ने तीखा वक्तव्य देते हुए कहा कि एआई समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस प्रकार का अर्धनग्न और अभद्र प्रदर्शन न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है, बल्कि देश की गरिमा और संस्कृति पर सीधा आघात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता अराजकता की राजनीति कर रहे हैं और यह कृत्य पूरी तरह से निंदनीय है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन अशोभनीय और अमर्यादित आचरण को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस प्रकार की राजनीति से देश की छवि धूमिल होती है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है। भाजपा महिला मोर्चा इस तरह की मानसिकता और राजनीति का कड़ा विरोध करता है। विरोध प्रदर्शन में जिला महामंत्री अरुणा सिंह, मधु चौदाहा, माया मिश्रा, सावित्री जायसवाल, प्रिया सिंह, निशांत सिंह सोलू, आनंदी बड़ा, गुंजन सिंह देव, सरिता मिश्रा, अल्पना मिश्रा, महामंत्री नीलू गुप्ता, प्रियंका चौबे, शालिनी सिंह, सरस्वती यादव, हेमलता शर्मा, सरिता जायसवाल, गनेश्वरी चौहान, गीता पांडेय, मीरा जायसवाल, सुषमा जायसवाल, इंदु गुप्ता, संगीता सोनी, रीना भारती, अर्चना सिंह, अनीश सिंह, दिनेश शुक्ला, अनुराग शुक्ला, जातीन परमार, रमन सिंह, अविनाश मंडल, रोहन मंडल, सुधांशु चौबे एवं रवि सहित महिला एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजपुर थाना में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर में आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने के उद्देश्य से बुधवार को राजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम देवेंद्र प्रधान, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी रविन्द्र लाल, नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेसी सुरेश सोनी, सभी पार्षदगण, जनप्रतिनिधि तथा सर्व समुदाय के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, हुड़दंग या विवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहेगा तथा पेट्रोलिंग टीम द्वारा लगातार गश्त की जाएगी। थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने आमजन से अपील की कि होली आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने नशीले पदार्थों के सेवन से बचने, किसी पर जबरन रंग न लगाने, ग्रीस या कांच युक्त रंगों का प्रयोग न करने, अशोभनीय व्यवहार से दूर रहने और यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। दोपहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने और शराब पीकर वाहन न चलाने की भी हिदायत दी गई। बैठक में यह भी कहा गया कि शोर-शराबा, ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग तथा तेज आवाज में डीजे या साउंड सिस्टम बजाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। परिवर्तित साइलेंसर का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। वर्तमान में बोर्ड परीक्षाएं संचालित होने के कारण बिना अनुमति साउंड सिस्टम का उपयोग न करने तथा अनुमति मिलने पर भी निर्धारित ध्वनि सीमा में ही बजाने के निर्देश दिए गए।होलिका दहन सुरक्षित स्थान पर करने, विद्युत खंभों एवं तारों से दूरी बनाए रखने तथा एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की अपील भी की गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने आश्वासन दिया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी होली का पर्व शांति और सौहार्द के साथ मनाया जाएगा।

युवा कांग्रेस ने प्रधानमंत्री का पुतला फूंका-युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के गिरफ्तारी को लेकर जताया विरोध

अंबिकापुर। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की अलोकतांत्रिक गिरफ्तारी के विरोध में आज युवा कांग्रेस सरगुजा ने जिलाध्यक्ष विकल झा के नेतृत्व में घड़ी चौक पर प्रधानमंत्री का पुतला फूंका। पुतला दहन के दौरान पुलिस के द्वारा बेवजह विवाद एवं दोहरे रवैये के उपरांत युवा कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन का भी पुतला फूंका। कांग्रेस का आरोप है कि एप्सटीन फाइल में मोदी और उनके मंत्री मंडल के सदस्यों और उद्योगपति मित्रों का नाम आने के दबाव और अमेरिका के कोर्ट में फंसे अडानी को बचाने के लिये मोदी सरकार ने ट्रंप के सामने सरेंडर करते हुए देश के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचाने वाला ट्रेड डील कर लिया है। मोदी सरकार के इस सरेंडर नीति के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से द्ध समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन किया था। इस लोकतांत्रिक विरोध से बौखलायी केंद्र सरकार ने युवा कांग्रेस के खिलाफ देश भर में दमन चक्र चलाया हुआ है। युवा कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ताओं के साथ ही साथ उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी गंभीर धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। इसके विरोध में आज युवा कांग्रेस सरगुजा ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकल झा ने कहा कि कांग्रेस ने अहिंसात्मक ढंग से विरोध प्रदर्शन का अधिकार गांधी जी से सीखा है। द्ध समिट में युवा कांग्रेस के बब्बर शेर वही कर रहे थे। लेकिन लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन से अंग्रेज भी डरते थे और अंग्रेजों की चाटूकारिता करने वाली विचारधारा के आज के शासक भी डरते हैं। इसी का परिणाम है कि आज अंग्रेजों के चाटुकार अंग्रेजों का अनुसरण करते हुए लोकतांत्रिक प्रदर्शन का दमन करने में लगे हुए हैं। इस

दौरान गुरप्रीत सिद्धू, आलोक सिंह, रजनीश सिंह, नीतीश चौरसिया, उत्तम रजवाड़े, सतीश बारी, विष्णु सिंहदेव, आशीष जायसवाल, आकाश अग्रहरि, विकास केशरी, सतीश घोष, संजर नवाज़, भोले रजवाड़े, आकाश यादव, अंकित जायसवाल, ऋषभ जायसवाल, प्रियांशु जायसवाल, दीपेंद्र मंडल, सौरभ मिस्तरी, आयुष सिंह, सुजय मंडल, लोलर सिंह, आदि उपस्थित थे

पुलिस के साथ झूमा झटकी और विवाद

पुतला दहन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर झूमाझटकी हुई। बात स्न्द्धक्र करने तक पहुंच गई थी। इस पुतला दहन के कुछ समय पहले भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा बेरोकटोक राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया था, जिसके वीडियो सामने हैं। तब पुलिस मूकदर्शक बनी रही, लेकिन युवा कांग्रेस के पुतला दहन को रोकने के लिए पुलिस ने काफी जद्दोजहद की। इस दोहरे रवैये के कारण कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हुआ। बाद में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के हस्तक्षेप से मामला सुलझा।

हार्ट से लेकर ब्रेन तक के लिए फायदेमंद है धनिया

हरे धनिये की पत्तियों का इस्तेमाल अक्सर सब्जियों के स्वाद और सलाद के लिए किया जाता है, वहीं हरी चटनी पकौड़े के स्वाद को दोगुना कर देती है। लेकिन इसी के साथ ही धनिया पत्तियों के कई फायदे हैं जिसके बारे में शायद ही आपको पता हो। तो जानते हैं हरे धनिया पत्ती के 10 फायदों के बारे में।

- धनिये की पत्तियों में विटामिन ए और सी पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करते हैं।
- गर्मी हो सर्दी, इसका इस्तेमाल करना हर समय शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाता है।
- पाचन शक्ति को मजबूत रखना है तो इसका इस्तेमाल आपको नियमित तौर पर करना चाहिए। इससे आपकी पाचन शक्ति बढ़ती है।
- धनिये की पत्तियों के सेवन से पेट संबंधी परेशानियों में आराम मिलता है और बदहजमी, पेट में दर्द, गैस की समस्या से छुटकारा मिलता है।
- जाड़े में खाने की मात्रा अधिक होने पर दस्त की शिकायत बढ़ने लगती है। ऐसे में धनिये की चटनी व सलाद पेट को राहत पहुंचाती है।
- धनिया की पत्ती विटामिन ए और सी का मुख्य स्रोत है। ये हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधी क्षमता को मजबूत करते हैं।
- इसके नियमित सेवन से सर्दी-खांसी से छुटकारा मिलता है।
- धनिया में मौजूद तत्व शरीर से कॉलेस्ट्रॉल कम कर उसे कंट्रोल में रखते हैं। यह खून में इंसुलिन की मात्रा को नियमित करता है।
- धनिया महिलाओं में मासिक धर्म संबंधी समस्याओं को दूर करता है। अगर पीरियड्स साधारण से ज्यादा हो तो आधा लीटर पानी में लगभग 6 ग्राम धनिये के बीज डालकर उबालें। इस पानी में चीनी डालकर पीने से फायदा होगा।
- इसमें मौजूद विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम व मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना है सिंघाड़ा जमकर खाएं

ब्लड प्रेशर बढ़ना एक गंभीर समस्या है। इसके कारण दिल, दिमाग और किडनी डैमेज हो सकती हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन बताता है कि 30 वर्ष से 79 वर्ष तक के करीब 128 करोड़ लोगों को हाइपरटेंशन (हाई बीपी) की बीमारी है, जो कि कम उम्र में मौत का कारण बन रही है।

सिंघाड़ा खाकर हाई बीपी का देसी इलाज किया जा सकता है। क्योंकि बीपी को कंट्रोल में करने में सिंघाड़ा मदद करता है। यह सुपरफूड हाई बीपी का ऊपर और नीचे वाला लेवल कम कर सकता है। ऐसा कई शोध दावा करते हैं। हाई बीपी के मरीजों को डाइट में सिंघाड़ा खाना चाहिए। सिंघाड़े को कई बीमारी के मरीज खा सकते हैं। दिल के मरीजों के साथ दर्द से परेशान और डायबिटिक पेशेंट के लिए सिंघाड़ा फायदेमंद होता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर छपी एक रिसर्च बताती है कि सिंघाड़े में इन बीमारियों का इलाज करने वाले गुण होते हैं।

दिल की बीमारी की जड़ है हाई बीपी

दुनियाभर में सबसे ज्यादा मृत्यु दिल से जुड़ी बीमारी के कारण होती हैं। जिसकी जड़ कोलेस्ट्रॉल के साथ हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) होती है। तेज सिरदर्द होना, सांस फूलना और नाक से खून आना हाई ब्लड प्रेशर के संकेत होते हैं।

सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर कम होगा

नॉर्मल बीपी कितना होना चाहिए? नॉर्मल बीपी 120/80 होना चाहिए। जिसमें ऊपर वाला लेवल सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर और नीचे वाला लेवल डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहलाता है। सिंघाड़ा खाने से सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कई पॉइंट नीचे आ जाता है।

पतला बनाता है सिंघाड़ा

सिंघाड़े में पानी बहुतायत में होता है, जिस कारण इसे हाई-वॉल्यूम फूड कहा जाता है। इसे खाने से फैट नहीं बढ़ता है और आपको वजन कम करने में मेहनत कम करनी पड़ती है। वहीं, सिंघाड़े में मौजूद फाइबर डायजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर भी पतला बनाता है।

बीपी कंट्रोल करता है पोटैशियम

सिंघाड़े के अंदर प्रचुर पोटैशियम होता है और दिल के लिए पोटैशियम फूड काफी अच्छे होते हैं। क्योंकि, यह मिनरल ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। एक स्टडी में पर्याप्त पोटैशियम लेने से सिस्टोलिक बीपी 3.49 और डायस्टोलिक बीपी 1.96 कम देखा गया।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना

सिंघाड़े को फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना कहा जा सकता है। हेल्थलाइन के मुताबिक, इस टेस्टी फूड में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और इसे खाने से मैंगनीज, कॉपर, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और विटामिन बी6 भी मिलता है।

बेहद करामाती है इस पेड़ की छाल डायबिटीज और हड्डियों के लिए है वरदान

आयुर्वेद में अर्जुन के पेड़ को कई औषधीय गुणों से भरा हुआ बताया गया है। अर्जुन के पेड़ की छाल भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। इस पेड़ की छाल का पाउडर बनाकर उपयोग किया जाता है। अर्जुन की छाल से स्ट्रोक, हार्ट अटैक और हार्ट फेल जैसे हार्ट संबंधी रोगों का इलाज किया जा सकता है। अर्जुन का पेड़ भारत में हिमालय की तराई, उत्तरप्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में ज्यादा पाया जाता है।

अर्जुन के पेड़ में बीटा-सिटोस्टिरोल, इलेजिक एसिड, ट्राईहाइड्रोक्सी ट्राईटरपीन, मोनो कार्बोक्सिलिक एसिड, अर्जुनिक एसिड पाया जाता है, जिस कारण यह रोग को दूर करने के लिए काफी उपयोगी माना जाता है। अर्जुन की छाल से हृदय रोग, क्षय, पित्त, कफ, सर्दी, खांसी, अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल और मोटापे जैसी बीमारी को दूर करने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह महिलाओं के लिए भी काफी उपयोगी है। खूबसूरती बढ़ाने वाली क्रीम के अलावा स्त्री रोगों में भी यह बहुत काम की औषधि है।

स्तन कैंसर को रोकती है अर्जुन की छाल

कई रिसर्च में खुलासा हुआ है कि अर्जुन के पेड़ में कसुआरिनिन नाम का रासायनिक घटक पाया जाता है। इसके कारण शरीर में कैंसर की कोशिकाएं फैल नहीं पाती है। विशेषकर स्तर कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में अर्जुन की छाल बड़े काम की है। यदि गर्म दूध में अर्जुन के पेड़ की छाल को बारिक पीसकर रोज सेवन किया जाए तो स्तन कैंसर से बचा जा सकता है।

दिल के रोगियों के लिए रामबाण औषधि

अर्जुन की छाल दिल के रोगियों के लिए एक असरकारक दवा है। जिनका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा है और थोड़ा भी पैदल चलने पर सांस फूलने लगती है, उन्हें अर्जुन की छाल की चाय अवश्य पीनी चाहिए। अर्जुन की छाल धमनियों में जमने वाले कोलेस्ट्रॉल और ट्रायग्लूसराइड को कम करती है। इससे दिल को रक्त पहुंचाने वाली धमनियां सुचारू काम करने लगती हैं। इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कोलेस्ट्रॉल या ट्राइग्लूसराइड का ज्यादा बढ़ना दिल के लिए घातक हो जाता है। इससे कई बार हार्ट अटैक आने का भी खतरा रहता है। ऐसे मरीजों को रोज अर्जुन की छाल का इस्तेमाल किसी न किसी रूप में अवश्य करना चाहिए।

डायबिटिज के रोगी ऐसे करें अर्जुन की छाल का प्रयोग

अर्जुन की छाल एक साथ कई बीमारियों को साध सकती है। कैंसर व दिल से संबंधित बीमारियों के अलावा डायबिटीज की बीमारी को नियंत्रित करने में अर्जुन की छाल बड़े काम की औषधि है। लेकिन इसके लिए अर्जुन की छाल के साथ देसी जामुन को समान मात्रा मिलाकर पीसकर चूर्ण बना लेना चाहिए। इस चूर्ण को रोज सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ लेना डायबिटीज के मरीज के लिए फायदेमंद होता है।

रुक जाता है मोटापा बढ़ना

अर्जुन की छाल का काढ़ा पीने से मोटापे की बीमारी भी नहीं होती है क्योंकि पाचन तंत्र इसके लगातार सेवन से ठीक रहता है। यदि लगातार इसका सेवन किया जाए तो सिर्फ एक माह के इसका असर देखा जा सकता है। अर्जुन की छाल इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करती है, जिससे सर्दी खांसी जैसी बीमारियां भी नहीं होती हैं।

मुंह के छाले होते हैं दूर

अर्जुन की छाल चूंकि पेट साफ करती है और इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए यदि इसका रोज सेवन किया जाए तो कभी भी मुंह में छाले नहीं होते हैं। इसके अलावा यह खून को बगैर दवा लिए प्राकृतिक रूप में पतला करने भी औषधि है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी पैदा नहीं होती है।

करेला खाने से दूर होती है ये बीमारियां

करेला औषधि के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कच्चा करेला ही ज्यादा मुफीद होता है। करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है। इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होती हैं और करेला पक जाए तो बीज लाल हो जाते हैं। जब तक पकता नहीं तब तक बीज सफेद रहते हैं।

करेले का न्युट्रिशनल वैल्यू

करेले में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए, बी और सी पाए जाते हैं। इसके अलावा कैरोटीन, लुटीन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैगजीज जैसे फ्लावोन्वाइड भी पाए जाते हैं। करेले में मौजूद खनिज और विटामिन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाते हैं जिससे कैंसर जैसी बीमारी का मुकाबला भी किया जा सकता है। डार्क करेला में ढेरों एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन पाए जाते हैं। करेले का सेवन हम कई रूपों में कर सकते हैं। हम चाहें तो इसका जूस पी सकते हैं, सब्जी या अचार बना सकते हैं। करेला ठंडा होता है, इसलिए यह गर्मी से पैदा हुई बीमारियों के इलाज के लिए बहुत लाभकारी है। अगर आपकी पाचन शक्ति कमजोर हो तो किसी भी प्रकार करेले का नित्य सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है।

दिल को हेल्दी रखने के लिए डॉक्टर्स ने दी ब्रिस्क वॉक की सलाह

हार्ट अटैक से मौतों का ट्रेंड दिन-ब-दिन डरावना होता जा रहा है। चलते-फिरते जान जाने वाले वीडियोज हर किसी को डरा रहे हैं। इस बीच आम लोग समाधान खोज रहे हैं तो डॉक्टर्स के बीच भी चर्चे शुरू हो गए हैं।

ज्यादातर डॉक्टर्स और हार्ट स्पेशलिस्ट सलाह दे रहे हैं कि हमें हर कीमत पर अपनी लाइफस्टाइल सुधारनी होगी। इसमें सबसे जरूरी स्टेप है फिजिकली ऐक्टिव रहना। इसके लिए भी आपको ज्यादा कुछ नहीं करना बस तेज कदमों के साथ टहलना है। डॉक्टर बैलेंस्ड डायट के साथ हफ्ते में कम से कम 5 दिन 45 मिनट ब्रिस्क वॉक करने की सलाह दे रहे हैं। यहां जानें ब्रिस्क वॉक क्या है, इसके फायदे और इसमें लोग क्या क्या गलतियां करते हैं।

डॉक्टर ने दी ब्रिस्क वॉक की सलाह

हार्ट अटैक या सडन कार्डिएक अरेस्ट की खबरें हर किसी को डरा रही हैं। ऐसे में पैनिक करने के बेहतर है समाधान पर बात की जाए। ज्यादातर हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोगों की लाइफस्टाइल उनकी अचानक मौतों के लिए जिम्मेदार है। दिल को हेल्दी रखना है तो फिजिकली ऐक्टिव रहना जरूरी है। इसके लिए डॉक्टर्स ब्रिस्क वॉक की सलाह देते हैं। यह आपका वजन कंट्रोल करती है, दिल मजबूत रखती है साथ ही आपका स्ट्रेस भी कम होता है। सबसे पहले जानते हैं कि ब्रिस्क वॉक आखिर है क्या?

गिनें प्रति मिनट कदम

ब्रिस्क वॉक में नॉर्मल वॉक से थोड़ा तेज चला जाता है। आसान भाषा में समझें तो एक मिनट में आपको 100 कदम चलने होते हैं। आप साथ में स्टेप काउंटर ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे गिनती में आसानी रहेगी। ये ऐप आपको मोबाइल में ही मिल जाएगा। ब्रिस्क वॉक के दौरान चेक करें कि आप बात कर पा रहे हैं या नहीं। अगर आपकी थोड़ी बहुत सांस टूट रही है और आराम से बात कर ले रहे हैं तो आप मॉडरेट लेकिन ब्रिस्क वॉक कर रहे हैं।

न करें ये गलतियां

लोग ब्रिस्क वॉक को नॉर्मल वॉक समझ लेते हैं। ध्यान रखेंगे कि ब्रिस्क वॉक का टारगेट हार्टरेट होता है। अगर आपकी स्पीड जरूरत से कम है तो ज्यादा फायदा नहीं होगा। वहीं अगर आपकी स्पीड बहुत ज्यादा है तो भी दिक्कत हो सकती है। ब्रिस्क वॉक के दौरान आपको फुटवेअर कम्फर्टेबल होने चाहिए। रनिंग शूज ही पहनें। वर्ना पैरों की मसल्स में प्रॉब्लम हो जाएगी।

ब्रिस्क वॉक के फायदे

ब्रिस्क वॉक के अनगिनत फायदे हैं। यह आपका एक्सट्रा वजन कम करती है। आपकी कैलोरी बर्न होती है और लीन मसल्स बढ़ती है। वॉक करने से आपका मूड ठीक रहता है। ब्रिस्क वॉक से आपके दिल की सेहत ठीक रहती है, ब्लड प्रेशर लो होता है साथ ही ब्लड शुगर भी मेनटेन रहती है।

108 कलशों की स्थापना और पूजा, महापूर्णाहुति के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण किया जाएगा

उत्सव के पहले दिन दक्षिण भारत से पधारे विशेष पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान शुरू किए गए, आज शाम प्रथम काल में: यज्ञ शाला का विशेष पूजन

दुर्ग। श्री सिद्धी विनायक मंदिर में 20वें वार्षिक महोत्सव का भव्य आगाज़, दक्षिण भारतीय विद्वान करा रहे अनुष्ठान दुर्ग। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट स्थित श्री सिद्धी विनायक मंदिर में 20वां वार्षिक महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दो दिवसीय इस उत्सव (25 व 26 फरवरी) के लिए मंदिर परिसर को दूधिया रोशनी और रंग-बिरंगे फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया है।*आज के कार्यक्रम (बुधवार, 25 फरवरी)*कल के विशेष आकर्षण (गुरुवार, 26 फरवरी)महोत्सव के दूसरे दिन सुबह 7 बजे से आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू होगी, जिसमें मुख्य रूप से: नदी तीर्थ पूजन एवं महासंकल्प।महागणपति हवन और भव्य अभिषेक आरतीमहाप्रसादी: शाम को विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का आयोजन होगा, जिसमें शहरभर के श्रद्धालु शामिल होंगे। मंदिर समिति ने सभी भक्तों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

कलेक्टर ने सहजता से सुनी जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं

दल्लीराजहरा। कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम जिले के विभिन्न स्थानों से अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुँचे आम नागरिकों के लिए राहत भरा साबित हुआ। इस दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में रमतरा के सरपंच ने डबरी निर्माण हेतु सीमांकन, डौण्डी के रंजीता एवं गोड़री के नन्हेलाल ने राशन कार्ड बनाने, रूदा निवासी लोमेश्वरी ने आवास का पट्टा दिलाने हेतु कलेक्टर से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर मिश्रा ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर पूरी आत्मीयता से उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। मिश्रा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जनदर्शन में पहुँचे लोगों के मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा को बजट में शामिल करने के लिए राज्य सरकार का आभार

कुरूद। छत्तीसगढ़ राज्य की विष्णु देव साय सरकार ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए व कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के लगातार मांगों को ध्यान में रखते हुए बजट में ऐतिहासिक फैसला लिया गया और चिकित्सा सुविधा को कैशलेस बनाने प्रारंभिक चरण में ही 100 करोड़ का बजट प्रावधान में रखा गया, इसके लिए फेडरेशन के कर्मचारियों सहित राजस्व पटवारी संघ ने छत्तीसगढ़ प्रदेश की राज्य सरकार का आभार प्रकट किया है। कर्मचारी संघ लंबे समय से मांग करते आ रहे थे कि जब वह बीमार होते थे तो बीमारी का पूरा खर्चा शुरुआत में उन्हें ही उठाना पड़ता था कई कर्मचारियों को लाखों रुपए उधार में वह अपने घर द्वार बेचना पड़ता था, कई कर्मचारी धन के अभाव में जान गंवा देते थे, यह सब शासकीय सेवा में रहते ही होता था, इस मांग को छत्तीसगढ़ राज्य की विष्णु देव सरकार ने गंभीरता से लेते हुए पूरी संवेदना के साथ बजट में शामिल करते हुए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा कर दी इससे कर्मचारी जगत में अत्यंत हर्ष व्याप्त है और सभी कर्मचारियों ने छत्तीसगढ़ राज्य की राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट किया है । राजस्व पटवारी संघ के प्रांतीय प्रवक्ता वीरेंद्र बैस ने अपने संगठन की ओर से साय सरकार और फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि चिकित्सा कैश लेश का यह निर्णय कर्मचारी जगत के लिए ऐतिहासिक निर्णय है।

बिजली योजना का प्रशिक्षण एवम् जागरूकता शिविर का आयोजन रायपुर में किया गया

तिल्दा-नेवरा। PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रशिक्षण एवम् जगरूकता शिविर का आयोजन कार्यालय कार्यपालन अभियंता संचारण संधारण संभाग रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के द्वारा Multy level पार्किंग क्लेक्टोरेट परिसर मे प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत किया गया जिसमें कार्य पालन अभियंता D.K. वर्मा, सहायक अभियंता आकाश shrivastav, कनिष्ठ अभियंता अनिल कुमार वर्मा के साथ साथ रायपुर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिव सम्मिलित हुए एवम् योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त किये। एवम् PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना मे शासन से प्राप्त अनुदान एवम solar पैनल स्थापना हेतु बैंक लोन एवम् बिजली बिल में होने वाले लाभ से भी अवगत कराया गया।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भरता की नई राह

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना महिला निर्माण श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत महिला श्रमिकों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में स्थायी सुधार लाना है। जिले में अब तक 87 महिला श्रमिकों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जा चुका है, जिससे वे स्वयं ई-रिक्शा का संचालन कर सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर रही हैं। योजना अंतर्गत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की वे महिला निर्माण श्रमिक पात्र हैं, जो मंडल में न्यूनतम तीन वर्षों से पंजीकृत हों। पात्र महिला हितग्राही को ई-रिक्शा का संचालन स्वयं करना अनिवार्य है, जिससे वास्तविक स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके। यह योजना महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि समाज में उनकी सहभागिता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। योजना के तहत ई-रिक्शा के क्रय मूल्य का 60 प्रतिशत या अधिकतम 1,50,000 जो भी कम हो। अनुदान स्वरूप प्रदान किया जाता है। यह राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है, जिससे पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन

बलौदाबाजार। स्थानीय शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया ,आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय टंकराम वर्मा - कैबिनेट मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन युवा कल्याण उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन,विशिष्ट अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका बलौदाबाजार और अन्य अतिथि गणों सहित समस्त अध्यापक व छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा के द्वारा वार्षिक खेल प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग कक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र व राशि प्रदाय किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा के द्वारा अपने उदबोधन में कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के अलावा छात्राओं को कला व कौशल में पारंगत होने से छात्राएं हर क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा, शिक्षा का महत्व सदैव से रहा है, साथ ही छात्राओं को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशिष्ट अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगरपालिका ने कहा कि छात्राएं हर क्षेत्र में आज आगे है व छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई, साथ ही शिक्षा के साथ साथ खेल को भी महत्वपूर्ण बताते हुए स्वावलम्बी जीवन आज के समय मे अत्यंत आवश्यक है, साथ ही उत्कृष्ट प्रतिभा से नगर व प्रदेश का नाम रोशन होता है। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा स्वयं से तैयार व्यंजनों की प्रशंसा करते हुए स्टालों का अवलोकन किया गया व शुभकामनाएं दी गई, वार्षिक उत्सव आयोजन के अवसर पर महाविद्यालय पर प्राचार्य के द्वारा वर्ष भर में हुए कार्यक्रम का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा विभिन्न राज्य की कला एवं संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुलोचना यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय केसरवानी, नगरपालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र माहले, एस.एम.पाध्ये, मंडल अध्यक्ष राकेश ध्रुव, पूर्व मंडी सचिव योगेश अग्रवाल, सेवा निवृत्त प्राचार्य जय नारायण केशरवानी एवं जनभागीदारी अध्यक्ष संगीता ध्रुव व जनभागीदारी सदस्य एवं महाविद्यालीन प्राध्यापक कर्मचारी एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रथम वाहिनी भिलाई में जुटे देशभर के 'अर्जुन': 249 तीरंदाजों के बीच कड़ा मुकाबला, आज होंगे नॉकआउट राउंड

भिलाई/दुर्ग। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (CAF), भिलाई के परिसर में आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 का दूसरा दिन बेहद रोमांचक रहा। सोमवार, 24 फरवरी को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न स्पर्धाओं के 'क्वालिफिकेशन राउंड' आयोजित किए गए, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दूरी और सटीकता की परीक्षा- प्रतियोगिता के दूसरे दिन रिकर्व (पुरुष एवं महिला) स्पर्धा में 70 मीटर से 50 मीटर की दूरी तक के मुकाबले हुए। वहीं, कंपाउंड स्पर्धा में 50 मीटर तथा इंडियन राउंड (पुरुष) में 50 मीटर व 30 मीटर की दूरी से तीरंदाजों ने लक्ष्य साधा। तकनीकी बारीकियों के बीच खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन के लिए कड़ी मेहनत की।

प्रतिभागियों का आंकड़ा और चयन- इस राष्ट्रीय स्पर्धा में खिलाड़ियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली:

पुरुष वर्ग से 55 और महिला वर्ग से 41 खिलाड़ी शामिल-

कंपाउंड इवेंट: पुरुष वर्ग से 79 और महिला वर्ग से 44 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

निर्धारित नियमों के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रत्येक इवेंट के शीर्ष 32-32 खिलाड़ियों का चयन आगामी एलिमिनेशन (नॉकआउट) राउंड के लिए किया गया है।

आज होंगे एलिमिनेशन राउंड- निर्णायक मंडल के अनुसार, बुधवार 25 फरवरी को इंडिविजुअल एलिमिनेशन और मिक्स्ड टीम एलिमिनेशन राउंड के मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में प्रतियोगिता का संचालन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है।

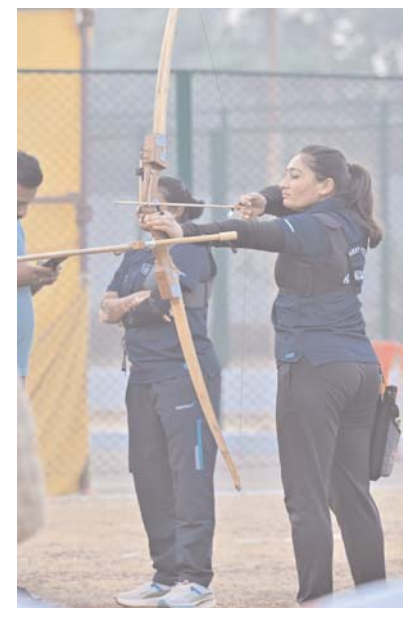

सफल आयोजन में समन्वित प्रयास- प्रतियोगिता के सफल संचालन में प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की आयोजन समिति, तकनीकी अधिकारियों और सुरक्षा में तैनात पुलिस बल की सक्रिय भूमिका रही। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के लिए पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और तकनीकी सहायता के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

यादव जी की लव स्टोरी' पर दुर्ग में बवाल: फिल्म बैन करने की मांग को लेकर सड़क पर उतरा यादव समाज

दुर्ग। देशभर में 27 फरवरी 2026 को प्रस्तावित फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में विरोध की लहर तेज हो गई है। सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश ने फिल्म के नाम और उसके कथानक पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे प्रतिबंधित करने की मांग की है। इसी सिलसिले में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव के नेतृत्व में दुर्ग कलेक्टर को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।

बहन-बेटियों के सम्मान का हवाला- समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि फिल्म निर्माता अंकित भड़ाना और संदीप तोमर द्वारा बनाई गई इस फिल्म में एक यादव युवती और दुसरे समुदाय के युवक के काल्पनिक प्रेम प्रसंग को फिल्माया गया है। यादव समाज का आरोप है कि यह कथानक समाज की बहन-बेटियों की गरिमा और सामाजिक मान-प्रतिष्ठा के विरुद्ध है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि फिल्म का शीर्षक और कहानी जानबूझकर यादव समाज की भावनाओं को आहत करने के लिए चुनी गई है।

बिगड़ सकता है सामाजिक सौहार्द- प्रदर्शनकारियों ने आशंका जताई है कि यदि यह फिल्म सिनेमाघरों या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होती है, तो इससे सामाजिक तनाव पैदा हो सकता है। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि फिल्म के प्रदर्शन से देश भर के यादव समाज में आक्रोश है, जो कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है।

उच्च स्तर पर हस्तक्षेप की मांग- दुर्ग कलेक्टर के माध्यम से समाज ने माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। समाज की स्पष्ट मांग है कि 'राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम' (NFDC) इस फिल्म की समीक्षा करे और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए।

होली के पूर्व तिल्दा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

तिल्दा-नेवरा। थाना तिल्दा नेवरा क्षेत्र के मोहभट्ठा पारा नेवरा, पुरानी बस्ती तिल्दा, सासाहोली एवं ग्राम टंडवा में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन विवाद एवं मारपीट किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संबंधित व्यक्तियों को समझाने का प्रयास किया गया, किंतु वे उग्र होकर शांति भंग करने एवं मारपीट पर उतारू हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कुल 06 आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल निरुद्ध किया गया। थाना तिल्दा-नेवरा के अपराध क्रमांक 554/2026, धारा 333, 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के प्रकरण में वर्ष 2025 में गणेश विसर्जन के दौरान आरोपियों द्वारा प्रार्थी के घर में जबरन प्रवेश कर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी एवं मारपीट कर चोट पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। घटना के पश्चात आरोपी फरार होकर गिरफ्तारी से बचते रहे। दिनांक 23.02.2026 को विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी कर दोनों आरोपी विवेक वर्मा एवं योगेश सेन को गिरफ्तार किया गया। विधिसम्मत कार्यवाही उपरांत उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। न्यायालय द्वारा जारी स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 07 वारंटियों को उनके निवास स्थान से हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय के आदेशानुसार सभी 07 वारंटियों को जेल दाखिल किया गया। विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य होली पर्व के दौरान आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करना, असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com